अध्याय-2

मानव संसाधन

एक स्वास्थ्य संस्थान के प्रभावी और कुशल संचालन के लिए पर्याप्त संख्या में प्रेरित, सशक्त, प्रशिक्षित और कुशल मानव संसाधन अपेक्षित हैं। मानव संसाधन का नियोजन अन्य घटकों जैसे अवसंरचना, उपकरण, दवाओं आदि में निवेश करने से पहले आवश्यक है। विशेषज्ञों, जनरल इयूटी मेडिकल ऑफिसर, नर्स, संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों, प्रशासनिक और सहायक कर्मचारी आदि के संदर्भ में कर्मचारियों की संख्या और प्रकार का पता उन लोगों की चिकित्सा आवश्यकताओं, जिन्हें स्वास्थ्य संस्थान पूरा करता है, को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।

मैनपावर की उपलब्धता और संबंधित मामलों पर इस अध्याय में चर्चा की गई है।

2.1 स्वीकृत पदों के विरुद्ध मानव संसाधन की उपलब्धता

मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली, जोकि एकीकृत वितीय प्रबंधन प्रणाली का एक मॉड्यूल है, जिसमें हिरियाणा सरकार के तहत विभिन्न विभागों में तैनात स्थायी कर्मचारियों की जानकारी उपलब्ध होती है। लेखापरीक्षा ने अक्तूबर 2022 तक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली का डेटा डंप प्राप्त किया और डेटा का विश्लेषण किया। मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत प्रत्येक सरकारी प्रतिष्ठान में स्वीकृत संख्या और तैनात कार्मिकों के बारे में जानकारी प्रदान कर सकता था। स्वीकृत पदों और पदस्थ कार्मिकों की वर्षवार जानकारी न तो मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली में उपलब्ध थी और न ही संबंधित निदेशालयों द्वारा प्रदान की गई थी। लेखापरीक्षा ने निम्नलिखित के बारे में संबंधित डेटा प्राप्त किया और उसका विश्लेषण किया:

- i. महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं
- ii. आयुष
- iii. निदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं अन्संधान
- iv. परिवार कल्याण
- v. खाद्य एवं औषधि प्रशासन
- vi. हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन लिमिटेड

मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली उपर्युक्त निदेशालयों के सभी कार्यालयों (निदेशालयों, मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों (डी.एच.), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सी.एच.सी.), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पी.एच.सी.), उप केंद्रों (एस.सी.), फील्ड स्टाफ, आदि) के लिए स्वीकृत पदों और पदस्थ कार्मिकों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। राज्य में उपर्युक्त स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित निदेशालयों में स्वीकृत पदों और पदस्थ कार्मिकों की स्थिति सयुंक्त रूप से 31 अक्तूबर 2022 को *चार्ट 2.1* में दी गई है।

41,628 24,219 17,409 स्वीकृत पद कार्यरत संख्या रिक्त पद

चार्ट 2.1: सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मैनपावर की स्थिति

स्रोतः मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली, हरियाणा से डेटा का विश्लेषण

इस प्रकार, सभी निदेशालयों में 41.82 प्रतिशत रिक्तियां थीं, जैसा कि ग्राफ से स्पष्ट है। विभिन्न स्वास्थ्य निदेशालयों/संस्थानों में मैनपावर का विवरण *तालिका 2.1* में दिया गया है।

तालिका 2.1: विभिन्न स्वास्थ्य विभागों में मैनपावर की स्थिति (अक्तूबर 2022 तक)

निदेशालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत	कुल कार्यबल	कार्यरत	रिक्त	रिक्त पदों की
	संख्या	में हिस्सा	संख्या	पद	प्रतिशतता
		(प्रतिशत में)			
महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं	25,307	60.79	15,299	10,008	40
चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग	10,072	24.20	5,430	4,642	46
परिवार कल्याण	3,384	8.13	2,213	1,171	35
आयुष	2,277	5.47	1,016	1,261	55
खाद्य एवं औषधि प्रशासन हरियाणा	583	1.40	257	326	56
हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन	5	0.01	4	1	20
लिमिटेड					
कुल	41,628	100	24,219	17,409	41.82

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा

कलर कोड: लाल अधिक कमी को दर्शाता है; पीला मध्यम कमी को दर्शाता है।

कुल स्वीकृत पदों में महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं और निदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान का बड़ा हिस्सा है। वे स्वास्थ्य क्षेत्र के कुल स्वीकृत कर्मचारियों में 85 प्रतिशत का योगदान करते हैं और अकेले महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं निदेशालय कुल स्वीकृत कर्मचारियों में 60.79 प्रतिशत का योगदान करता है। रिक्त पदों के प्रतिशत के रूप में, खाद्य एवं औषि प्रशासन हरियाणा और आयुष निदेशालय में मैनपावर की सर्वाधिक कमी है जोकि क्रमशः 56 और 55 प्रतिशत है।

उपर्युक्त तालिका में उल्लिखित स्थायी कर्मचारियों के अतिरिक्त, बेहतर और कुशल सेवाओं को प्रदान करने के लिए राज्य सेवा नियोजन/आउटसोर्सिंग नीति, 2015 के तहत तथा हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से सभी स्वास्थ्य विभागों/संस्थानों द्वारा संविदा कर्मचारियों को भी नियुक्त किया गया था। इसकी स्थिति तालिका 2.2 में दी गई है।

तालिका 2.2: विभिन्न स्वास्थ्य निदेशालयों में संविदा कर्मचारियों की मैनपावर स्थिति (जनवरी 2024 तक)

निदेशालय/संस्थान का नाम	कार्यरत	आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरे गए मुख्य पद
	संख्या	
महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस)	10,827	सफाई कर्मचारी, वार्ड सेवक, सुरक्षाकर्मी, लिपिक
		एवं अन्य सहायक कर्मचारी।
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), हरियाणा	14,468	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत डॉक्टर, नर्स,
		पैरामेडिक्स सहित समस्त स्टाफ को आउटसोर्सिंग
		के माध्यम से तैनात किया गया है।
चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग (डीएमईआर)	7,398	सफाई कर्मचारी, वार्ड सेवक, लिपिक एवं अन्य
		सहायक कर्मचारी।
आयुष	2,234	डॉक्टर, पैरामेडिक्स और अन्य सहायक कर्मचारी।
खाद्य एवं औषधि प्रशासन हरियाणा	175	वैज्ञानिक सहायक, लिपिक एवं अन्य सहायक
		कर्मचारी।
हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन लिमिटेड	106	सुरक्षा एवं मल्टीटास्किंग स्टाफ।
(एचएमएससीएल)		-
कुल	35,208	

स्रोतः संबंधित विभागों द्वारा दी गई जानकारी

जैसा कि *तालिका 2.1* में दर्शाया गया है, अक्तूबर 2022 तक सभी स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित स्वीकृत पदों के विरुद्ध 17,409 पद रिक्त थे। इस अंतर को संविदा के आधार पर कर्मचारियों को नियुक्त करके पूरा किया गया, जैसा कि *तालिका 2.2* में दर्शाया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स सहित कुल कर्मचारियों को संविदा के आधार पर कार्य पर रखा जा रहा है। निदेशालयवार कर्मचारियों की कमी और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव पर निम्नलिखित पैराग्राफ में चर्चा की गई है।

2.2 महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के अंतर्गत विभिन्न पदों में स्टाफ की उपलब्धता

अक्तूबर 2022 तक महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं में 10,008 पद, अर्थात कुल स्वीकृत पद 25,307 का 39.5 प्रतिशत रिक्त थे। श्रेणीवार रिक्त स्थित तालिका 2.3 में दर्शाई गई है:

तालिका 2.3: महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के अंतर्गत विभिन्न पदों में स्टाफ की उपलब्धता (अक्तूबर 2022 तक)

श्रेणी	स्वीकृत पद	कार्यरत संख्या	रिक्त पद	रिक्त पदों की प्रतिशतता
डॉक्टर	5,721	4,081	1,640	28.7
नर्स	5,469	3,564	1,905	34.8
पैरामेडिक्स	9,112	5,387	3,725	40.9
अन्य ¹	5,005	2,267	2,738	54.7
कुल	25,307	15,299	10,008	39.5

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा।

उपर्युक्त श्रेणियों के अंतर्गत रिक्त पद 28.7 प्रतिशत से 54.7 प्रतिशत के मध्य थे।

महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा संविदा कर्मचारियों को लगाया गया था और जनवरी 2024 में महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, कुल 10,827 पदों

अन्य में सहायक कर्मचारी जैसे लिपिक कर्मचारी, सफाई कर्मचारी, वार्ड सेवक, ड्राइवर आदि शामिल हैं।

17

को आउटसोर्स कर्मचारियों के माध्यम से भरा गया था। हालांकि, डॉक्टरों और नर्सों का कोई भी पद आउटसोर्स नहीं किया गया था। उपर्युक्त 10,827 पदों में से पैरामेडिक्स के 75 पद आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरे गए थे और 2,738 कार्मिकों की रिक्ति के विरुद्ध 10,752 कार्मिकों को 'अन्य' श्रेणी में प्रतिनियुक्त किया गया था।

महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के अंतर्गत स्वीकृत पदों के विरुद्ध डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स के विभिन्न पदों की कमी *तालिका 2.4* में दर्शायी गई है।

तालिका 2.4: महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के अंतर्गत पदवार रिक्त पद (अक्तूबर 2022 तक)

क्र.	पदनाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	रिक्त पदों की						
सं.		पद	संख्या	पद	प्रतिशतता						
	डॉक्टर										
1	उप सिविल सर्जन	122	69	53	43						
2	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	367	247	120	33						
3	चिकित्सा अधिकारी	4,211	2,994	1,217	29						
4	वरिष्ठ दंत शल्य चिकित्सक	33	25	8	24						
5	दंत शल्य चिकित्सक	773	547	226	29						
6	अन्य डॉक्टर	215	199	16	7						
	कुल	5,721	4,081	1,640	29						
		नर्स									
7	नर्सिंग सिस्टर	463	124	339	73						
8	स्टाफ नर्स	4,776	3,411	1,365	29						
9	जन स्वास्थ्य नर्स	176	24	152	86						
10	अन्य नर्सें	54	5	49	91						
	कुल	5,469	3,564	1,905	35						
		पैरामेडिक्स									
11	मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट	1,302	633	669	51						
12	फार्मेसिस्ट	1,156	499	657	57						
13	ऑपरेशन थिएटर सहायक	465	209	256	55						
14	रेडियोग्राफर/अल्ट्रासाउंड तकनीशियन	389	87	302	78						
15	डेंटल मैकेनिक सह सहायक	268	120	148	55						
16	नेत्र सहायक	225	103	122	54						
17	ई.सी.जी. तकनीशियन	137	29	108	79						
18	मल्टी पर्पज हेल्थ पर्यवेक्षक (महिला)	594	318	276	46						
19	मल्टी पर्पज हेल्थ पर्यवेक्षक (पुरुष)	622	526	96	15						
20	मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर (पुरुष)	3,105	2,181	924	30						
21	अन्य पैरामेडिक्स	849	682	167	20						
	कुल	9,112	5,387	3,725	41						
कुल		20,302	13,032	7,270	36						

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा

कलर कोड: लाल अधिक कमियों को दर्शाता है; पीला मध्यम कमी को दर्शाता है और हरा न्यूनतम कमी को दर्शाता है।

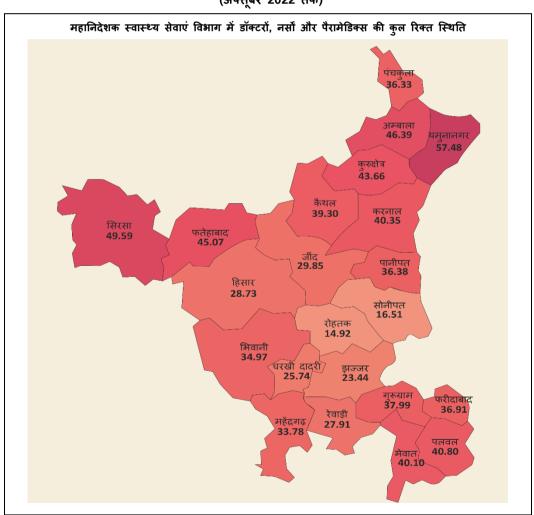
मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट, फार्मासिस्ट, नर्स, ऑपरेशन थियेटर असिस्टेंट, रेडियोग्राफर/ अल्ट्रासाउंड तकनीशियन, ईसीजी तकनीशियन के लिए मैनपावर की कमी प्रतिशत के रूप में बहुत अधिक है। मैनपावर की अनुपलब्धता से स्वास्थ्य संस्थानों में अनिवार्य सेवाओं पर प्रभाव पड़ सकता है।

आगे, भारतीय जन स्वास्थ्य मानक 2012 के मापदंड विशेषज्ञता-वार डॉक्टरों की उपलब्धता, जैसे स्त्री रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट, बाल रोग विशेषज्ञ आदि प्रदान करते हैं। हालांकि, राज्य में जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञता-वार स्वीकृत पद सृजित नहीं किए गए थे। स्वीकृत संख्या के विरुद्ध बड़ी संख्या में रिक्तियों और डॉक्टरों के विशेषज्ञता-वार पदों का सृजन न होने के कारण आवश्यक बाह्य रोगी विभाग, अंतः रोगी विभाग और आपातकालीन सेवाओं की अनुपलब्धता रही जैसा कि इस प्रतिवेदन के पैराग्राफ 3.1, 3.2 एवं 3.3 में चर्चा की गई है।

2.2.1 महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं में उपलब्ध मैनपावर का विषम वितरण

सरकार के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह उपलब्ध मैनपावर को पूरे राज्य में समान रूप से तैनात करे। हालांकि, यह देखा गया कि महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं में डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स के 7,270 पद (अक्तूबर 2022 तक) रिक्त थे और इन श्रेणियों के लिए उपलब्ध मैनपावर असमान रूप से वितरित थी। रोहतक जिले में रिक्तियों की स्थिति 14.92 प्रतिशत से लेकर यमुनानगर जिले में 57.48 प्रतिशत तक भिन्न-भिन्न थी, जैसा कि नीचे दिए गए मानचित्र में दर्शाया गया है:

चार्ट 2.2: महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के अंतर्गत समग्र राज्य में मैनपावर का विषम वितरण (अक्तूबर 2022 तक)

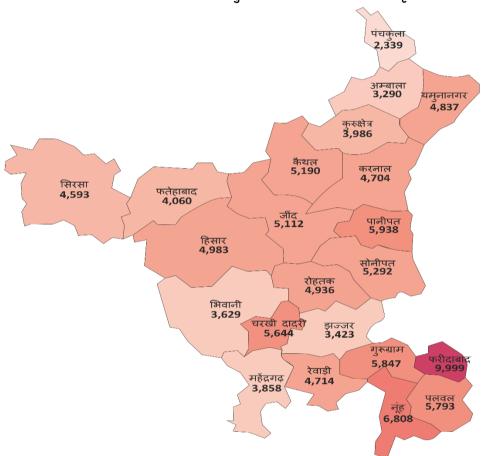


स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा।

कलर कोड: हल्के से गहरे रंग पर स्केल किया गया। रंग जितना गहरा है, रिक्तियां उतनी ही अधिक हैं।

(i) जिला स्तर पर डॉक्टरों की असमान स्वीकृत पद संख्या

हरियाणा राज्य में महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के अंतर्गत एलोपैथिक डॉक्टरों के कुल 5,721 स्वीकृत पद हैं, अर्थात 4,431 व्यक्तियों के लिए एक सरकारी डॉक्टर। यह देखा गया है कि डॉक्टरों के स्वीकृत पदों का जनसंख्या से कोई संबंध नहीं है, जैसा कि नीचे मानचित्र में दर्शाया गया है।



चार्ट 2.3: जिला स्तर पर जनसंख्या की त्लना में डॉक्टरों की असमान स्वीकृत संख्या

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा।

कलर कोड: हल्के से गहरे रंग पर स्केल किया गया। गहरा रंग डॉक्टरों की सबसे कम स्वीकृत संख्या को दर्शाता है और हल्का रंग डॉक्टरों की सबसे अधिक स्वीकृत संख्या को दर्शाता है।

मानचित्र से स्पष्ट है कि पंचकुला जिले में 2,339 व्यक्तियों पर एक डॉक्टर स्वीकृत है जबिक फरीदाबाद जिले में 9,999 व्यक्तियों पर एक डॉक्टर स्वीकृत है। 15 जिलों² में, राज्य द्वारा स्वीकृत औसत 4,431 व्यक्तियों के लिए एक डॉक्टर से कम डॉक्टरों की स्वीकृति दी गई है।

े (i) चरखी दादरी, (ii) फरीदाबाद, (iii) गुरुग्राम, (iv) हिसार, (v) जींद, (vi) कैथल, (vii) करनाल, (viii) नूंह, (ix) पलवल, (x) पानीपत, (xi) रेवाड़ी, (xii) रोहतक, (xiii) सिरसा, (xiv) सोनीपत और (xv) यम्नानगर।

_

(ii) डॉक्टरों के रिक्त पदों की स्थिति

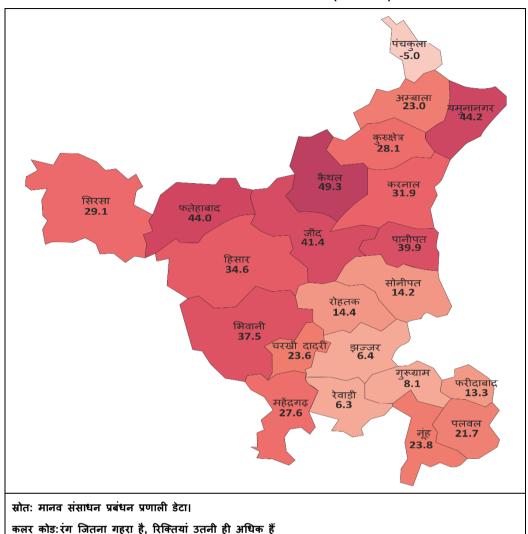
महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं में, डॉक्टरों के कई पदनाम हैं जैसे चिकित्सा अधिकारी, विरष्ठ चिकित्सा अधिकारी, अपर चिकित्सा अधिकारी, दंत शल्य चिकित्सक, विरष्ठ दंत शल्य चिकित्सक, उप-सिविल सर्जन, सिविल सर्जन, प्रधान चिकित्सा अधिकारी आदि। समग्र रूप से, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं में कुल 5,721 (विशेषज्ञ डॉक्टरों सिहत) की स्वीकृत संख्या की तुलना में कुल 4,081 सार्वजनिक डॉक्टर (एलोपैथिक) उपलब्ध हैं। इस तरह राज्य में डॉक्टरों के 28.7 प्रतिशत पद रिक्त पड़े हैं। जिलों की जनसंख्या के साथ जिला-वार स्थिति तालिका 2.5 में दर्शाई गई है:

तालिका 2.5: डॉक्टरों (विशेषज्ञ डॉक्टरों सहित) के जिला-वार रिक्त पद (अक्तूबर 2022 तक)

जिला	जनसंख्या (जनगणना 2011)	स्वीकृत पद	कार्यरत संख्या	रिक्त पद/ अतिरिक्त	रिक्त पद/ अतिरिक्त की प्रतिशतता					
फरीदाबाद	18,09,733	181	157	24	13.3					
हिसार	17,43,931	350	229	121	34.6					
गुरूग्राम	15,14,432	259	238	21	8.1					
करनाल	15,05,324	320	218	102	31.9					
सोनीपत	14,50,001	274	235	39	14.2					
जींद	13,34,152	261	153	108	41.4					
सिरसा	12,95,189	282	200	82	29.1					
यमुनानगर	12,14,205	251	140	111	44.2					
पानीपत	12,05,437	203	122	81	39.9					
भिवानी	11,32,169	312	195	117	37.5					
अंबाला	11,28,350	343	264	79	23.0					
न्रंह	10,89,263	160	122	38	23.8					
कैथल	10,74,304	207	105	102	49.3					
रोहतक	10,61,204	215	184	31	14.4					
чलवल	10,42,708	180	141	39	21.7					
कुरूक्षेत्र	9,64,655	242	174	68	28.1					
झज्जर	9,58,405	280	262	18	6.4					
फतेहाबाद	9,42,011	232	130	102	44.0					
महेंद्रगढ़	9,22,088	239	173	66	27.6					
रेवाड़ी	9,00,332	191	179	12	6.3					
पंचकुला	5,61,293	240	252	-12	-5.0					
चरखी दादरी	5,02,276	89	68	21	23.6					
मुख्यालय में पीजी, प्रतिनियुक्ति अवकाश रिजर्व		410	140	270	65.9					
कुल	2,53,51,462	5,721	4,081	1,640						

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा।

कलर कोड: लाल अधिक कमी को दर्शाता है; पीला रंग मध्यम कमी को दर्शाता है, हल्का हरा रंग न्यूनतम कमी को दर्शाता है और गहरा हरा रंग डॉक्टरों की अधिकता को दर्शाता है।



चार्ट 2.4: डॉक्टरों की जिला-वार रिक्ति (प्रतिशत में)

पंचकुला जिले को छोड़कर जहां स्वीकृत पदों से 12 डॉक्टर अधिक तैनात थे, सभी जिलों में डॉक्टरों के पद खाली पड़े थे। जिला स्तर पर रिक्तियां सबसे कम (12) रेवाड़ी में और सबसे

उपर्युक्त मानचित्र में प्रत्येक जिले में डॉक्टरों के रिक्त पदों की प्रतिशतता को दर्शाया गया है। प्रतिशतता के हिसाब से हरियाणा के जिलों में डॉक्टरों के 6.3 प्रतिशत से 49.3 प्रतिशत पद रिक्त हैं। यह हरियाणा के जिलों में उपलब्ध डॉक्टरों के विषम वितरण को दर्शाता है।

(iii) हरियाणा में जनसंख्या के अनुपात में डॉक्टर

अधिक (121) हिसार में थी।

2011 की जनगणना के अनुसार हरियाणा राज्य की जनसंख्या 2,53,51,462 थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने प्रत्येक 1000 व्यक्तियों पर एक डॉक्टर की सिफारिश की है। तदन्सार, राज्य में 25,351 डॉक्टर होने चाहिए।

लेकिन हरियाणा मेडिकल काउंसिल के रिकॉर्ड के अनुसार राज्य में जून 2022 तक कुल 20,891 पंजीकृत डॉक्टर (सार्वजनिक और निजी) थे। इससे पता चलता है कि 1,214 व्यक्तियों के लिए एक डॉक्टर की उपलब्धता है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन की सिफारिश से कम है।

हरियाणा राज्य में स्वास्थ्य संबंधी विभागों (अक्तूबर 2022 तक) में कुल 6,006 सरकारी डॉक्टर हैं (महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं में 4081, मेडिकल कॉलेजों³ में 1052, परिवार कल्याण में 20, आयुष⁴ में 508 और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में 345)। यह हरियाणा राज्य में 4,221 व्यक्तियों के लिए एक सरकारी डॉक्टर की उपलब्धता को दर्शाता है।

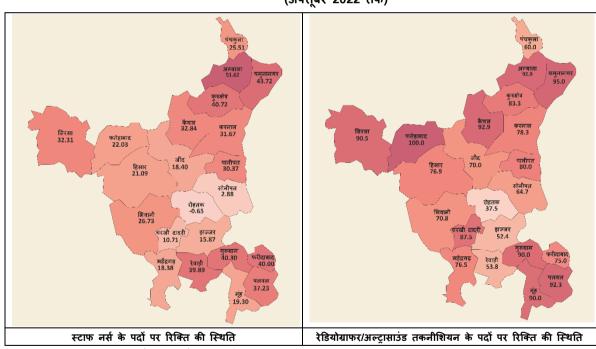
2.2.2 महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के अंतर्गत स्टाफ नर्स, रेडियोग्राफर/तकनीशियन आदि की उपलब्धता

जब रिक्तियों का विश्लेषण विशिष्ट पदों के आधार पर किया जाता है तो मैनपावर श्रेणियों की उपलब्धता में विषमता और भी स्पष्ट हो जाती है। उदाहरण के लिए:

- i. स्वीकृत पदों की संख्या के विरुद्ध स्टाफ नर्स की उपलब्धता रोहतक में
 0.65 प्रतिशत अधिक थी और अंबाला जिले में 51.62 प्रतिशत कम थी।
- ii. स्वीकृत पदों के विरुद्ध रेडियोग्राफर/अल्ट्रासाउंड तकनीशियन की कमी रोहतक जिले में 37.5 प्रतिशत और फतेहाबाद जिले में 100 प्रतिशत थी।

सभी जिलों में उपर्य्क्त दो पदों की कमी को नीचे मानचित्रों में दर्शाया गया है:

चार्ट 2.5: स्टाफ नर्स और रेडियोग्राफर/अल्ट्रासाउंड तकनीशियन की जिला-वार रिक्ति स्थिति (अक्तूबर 2022 तक)



स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा।

कलर कोड: हल्के से गहरे रंग पर स्केल किया गया। रंग जितना गहरा होगा रिक्तियां उतनी अधिक होंगी। इसी तरह का विषम वितरण अन्य पदों और अन्य विभागों में, जिसमें निदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, आयुष और परिवार कल्याण विभाग सम्मिलित हैं, में देखा गया था।

³ 1,050 नियमित और दो संविदा आधार पर।

^{4 372} नियमित और 136 संविदा आधार पर।

2.2.3 जिला अस्पतालों में स्टाफ की उपलब्धता

प्रत्येक जिला अस्पताल (डी.एच.) में स्वीकृत पदों के विरुद्ध स्टाफ (नियमित) की उपलब्धता तालिका 2.6 में दर्शाई गई है।

तालिका 2.6: प्रत्येक जिला अस्पताल में विभिन्न पदों पर स्टाफ की उपलब्धता (अक्तूबर 2022 तक)

जिला अस्पताल		विशेषर	।/डॉक्टर		नर	f	पैरामेडिक्स			
का नाम	स्वीकृत	तैनात	प्रतिशत में रिक्त/	स्वीकृत	तैनात	प्रतिशत में रिक्त/	स्वीकृत	तैनात	प्रतिशत में रिक्त/	
	पद		आधिक्य पद (+)	पद		आधिक्य पद (+)	पद		आधिक्य पद (+)	
अंबाला	84	52	38	160	76	53	92	31	66	
भिवानी	84	55	35	162	115	29	95	38	60	
चरखी दादरी	51	43	16	44	32	27	46	22	52	
फरीदाबाद	68	57	16	102	62	39	62	31	50	
फतेहाबाद	51	39	24	44	38	14	49	23	53	
गुरूग्राम	136	119	13	204	105	49	120	49	59	
हिसार	68	56	18	104	91	13	64	41	36	
झज्जर	51	40	22	44	41	7	45	31	31	
जींद	68	41	40	102	86	16	61	42	31	
कैथल	68	42	38	102	84	18	61	38	38	
करनाल	68	54	21	102	92	10	60	39	35	
कुरुक्षेत्र	68	52	24	102	63	38	64	36	44	
महेंद्रगढ़ (नारनौल)	51	41	20	44	36	18	45	19	58	
मंडी खेड़ा (नूंह)	51	41	20	44	35	20	45	16	64	
पलवल	51	45	12	44	35	20	49	39	20	
पंचकुला	84	93	(+)11	160	127	21	92	55	40	
पानीपत	68	39	43	102	85	17	62	33	47	
रेवाड़ी	68	67	1	102	53	48	60	40	33	
रोहतक	51	48	6	44	40	9	53	40	25	
सिरसा	68	49	28	102	71	30	65	26	60	
सोनीपत	68	58	15	102	92	10	61	45	26	
यमुनानगर	68	41	40	102	70	31	61	25	59	
कुल	1493	1172	22	2118	1529	28	1412	759	46	

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा।

कलर कोड:गहरा गुलाबी रंग अधिकांश रिक्तियों को दर्शाता है जबिक हल्का गुलाबी रंग मध्यम रिक्त पदों को दर्शाता है और सफेद रंग कम/अधिक मैनपावर को दर्शाता है।

इक्कीस जिला अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी थीं, जिसमें जिला अस्पताल पानीपत में सबसे अधिक (43 प्रतिशत) कमी थी। दूसरी ओर, जिला अस्पताल पंचकुला में स्वीकृत संख्या के विरूद्ध 11 प्रतिशत अतिरिक्त डॉक्टर थे। नर्सों की कमी जिला अस्पताल अंबाला में अधिकतम (53 प्रतिशत) और जिला अस्पताल झज्जर में सबसे कम (सात प्रतिशत) थीं। पैरामेडिकल स्टाफ के मामले में, अधिकतम कमी जिला अस्पताल, अंबाला (66 प्रतिशत) और न्यूनतम जिला अस्पताल पलवल (20 प्रतिशत) में थी।

स्वास्थ्य विभाग ने उत्तर दिया (जुलाई 2023) कि कुछ रिक्त पद आउटसोर्सिंग और संविदात्मक नियुक्ति की सरकारी नीतियों के अनुसार भरे गए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार उप-स्वास्थ्य केंद्र तक प्रथम रेफरल इकाइयों, लेबर रूम, विशेष नवजात देखभाल इकाइयों और अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं चलाने के लिए विशेषज्ञ, एमबीबीएस डॉक्टर, स्टाफ नर्स, लेब तकनीशियन, बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला) आदि प्रदान करने में स्वास्थ्य विभाग की सहायता करता है। इस मैनपावर की सेवाओं का उपयोग उसी स्वास्थ्य सुविधा और उन्हीं रोगियों की सेवा में किया जाता है जोकि नियमित कर्मचारियों द्वारा की जाती है।

लेखापरीक्षा विभाग के इस दावे से सहमत नहीं है क्योंकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत नियुक्त मैनपावर का उद्देश्य विभिन्न उध्विधर कार्यक्रमों जैसे गैर-संक्रामक रोग, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, एसएनसीयू, आदि के लिए स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। ऐसी मैनपावर को नियमित कर्मचारियों के रिक्त पदों पर नहीं लगाया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा की कार्यवाही के रिकॉर्ड के अनुसार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मानव संसाधनों का उपयोग राज्य मानव संसाधनों को पूरक करने और सहायता करने के लिए किया जाना था, न कि राज्य के व्यय को प्रतिस्थापित करने के लिए। मानव संसाधन के लिए सभी सहायता, भारतीय जन स्वास्थ्य मानक मानदंडों और केस लोड के अनुसार, नियमित पदों के अतिरिक्त भरे हुए पदों की सीमा तक होगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का लक्ष्य पूरकता के माध्यम से स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना है और इसलिए इसका उपयोग नियमित मानव संसाधन के विकल्प के रूप में नहीं किया जाना चाहिए।

2.2.4 उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्टाफ की उपलब्धता

उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों (एस.डी.सी.एच.)/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सी.एच.सी.)/ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पी.एच.सी.) में स्वीकृत पदों के विरूद्ध स्टाफ (नियमित) की उपलब्धता *तालिका 2.7* में दर्शाई गई है।

तालिका 2.7: उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में विभिन्न पदों पर स्टाफ की उपलब्धता (अक्तूबर 2022 तक)

स्वास्थ्य संस्थान	विशेषज्ञ/डॉक्टर				नर्स		पैरामेडिक्स		
	स्वीकृत	तैनात	प्रतिशत	स्वीकृत	तैनात	प्रतिशत	स्वीकृत	तैनात	प्रतिशत
	पद		रिक्त पद	पद		रिक्त पद	पद		रिक्त पद
उप-मंडलीय सिविल अस्पताल	960	664	31	1,150	771	33	1,022	473	54
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र	1,142	871	24	1,276	742	42	1,348	1,144	15
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र	1,216	814	33	810	438	46	1,607	759	53
कुल	3,318	2,349		3,236	1,951		3,977	2,376	

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा

जैसा कि उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है, प्राथिमक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों (33 प्रतिशत), नर्सों (46 प्रतिशत) और पैरामेडिक्स (53 प्रतिशत) की भारी कमी थी। पैरामेडिक्ल स्टाफ की सबसे अधिक कमी उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में 54 प्रतिशत थी। उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथिमक स्वास्थ्य केंद्रों की मैनपावर का विवरण पिरिशिष्ट 2.1 में दर्शाया गया है।

2.2.5 विशेषज्ञ

भारतीय जन स्वास्थ्य मानक 2012 मानदंडों के अनुसार, जिला अस्पतालों में अनिवार्य रूप से 300 बेड वाले अस्पतालों में 34 विशेषज्ञ⁵ (15 विशेषज्ञता), 200 बेड वाले अस्पतालों

⁽i) मेडिसिन: 3, (ii) शल्यचिकित्सा: 3, (iii) बाल चिकित्सा: 4, (iv) प्रसूति एवं स्त्री रोग: 4, (v) एनेस्थिसियोलॉजी: 3, (vi) नेत्र विज्ञान: 2, (vii) ऑर्थोपेडिक्स: 2, (viii) रेडियोलॉजी: 2, (ix) कान-नाक-गला: 2, (x) दंत चिकित्सा: 2, (xi) त्वचा विशेषज्ञ: 1, (xii) मनोचिकित्सक: 1, (xiii) पैथोलॉजिस्ट: 3, (xiv) माइक्रोबायोलॉजिस्ट: 1, (xv) फोरेंसिक विशेषज्ञ: 1

(जिला अस्पताल/उप-मंडलीय सिविल अस्पताल 6) में 20 विशेषज्ञ 7 (12 विशेषज्ञता) और 100 बेड वाले अस्पतालों में 17 विशेषज्ञ 8 (12 विशेषज्ञता) होने चाहिए।

आगे, 100 बेड वाले उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों के मामले में, 13 विशेषज्ञ⁹ (13 विशेषज्ञता) आवश्यक हैं और 50 बेड वाले उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में 11 विशेषज्ञ¹⁰ (11 विशेषज्ञता) की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा, जो जिला अस्पतालों, उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रशासन के लिए उत्तरदायी है, के पास विशेषज्ञों (डॉक्टरों) के लिए स्वीकृत पद नहीं हैं जिसकी पृष्टि अपर मुख्य सिविव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, हरियाणा ने एग्जिट कॉन्फ्रेंस (10 जनवरी 2023) के दौरान की थी। तदनुसार, किसी भी जिला अस्पताल, उप-मंडलीय सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेषज्ञता-वार स्वीकृत पद नहीं थे।

हरियाणा सरकार की चिकित्सा अधिकारियों के लिए स्नातकोत्तर अध्ययन को प्रायोजित करने की नीति है। हरियाणा सिविल चिकित्सा सेवा (चिकित्सा अधिकारी) के तहत भर्ती किए गए एमबीबीएस/बीडीएस डॉक्टर, हरियाणा के स्वास्थ्य संस्थानों में कम से कम दो वर्ष की ग्रामीण सेवा/दूरस्थ एवं कठिन क्षेत्रों में सेवा के साथ चार वर्ष की नियमित संतोषजनक सेवा पूरी करने के बाद, पूर्ण वेतन के साथ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम करने के लिए पात्र हैं।

तथापि, उपर्युक्त प्रोत्साहन के परिणामस्वरूप, भारतीय जन स्वास्थ्य मानक मानदंडों के अनुसार स्वास्थ्य संस्थानों में अपेक्षित विशेषज्ञों की उपलब्धता, जिसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत नियुक्त विशेषज्ञ भी सम्मिलित हैं, नहीं हुई है, जैसा कि नीचे चर्चा की गई है:

(i) जिला अस्पताल

(क) मानदंडों के विरुद्ध विशेषज्ञों की उपलब्धता

भारतीय जन स्वास्थ्य मानक 2012 मानदंडों की तुलना में 200 बेड वाले जिला अस्पतालों में विशेषज्ञों का अधिकतम आधिक्य था, जैसा कि *तालिका 2.8* में दर्शाया गया है।

⁶ मंडलीय सिविल अस्पताल के मामले में 200 बेड के मानदंड भारतीय जन स्वास्थ्य मानक 2012 में नहीं दिए गए हैं।

⁽i) मेडिसिन: 2, (ii) शत्यचिकित्सा: 2, (iii) बाल चिकित्सा: 3, (iv) प्रसूति एवं स्त्री रोग: 3, (v) एनेस्थिसियोलॉजी: 2, (vi) नेत्र विज्ञान: 1, (vii) ऑर्थोपेडिक्स: 1, (viii) रेडियोलॉजी: 1, (ix) कान-नाक-गला: 1, (x) दंत चिकित्सा: 1, (xi) मनोचिकित्सक: 1, (xii) पैथोलॉजिस्ट: 2

 ⁽i) मेडिसिन: 2, (ii) शल्यचिकित्सा: 2, (iii) बाल चिकित्सा 2, (iv) प्रसूति एवं स्त्री रोग: 2, (v) एनेस्थिसियोलॉजी: 2, (vi) नेत्र विज्ञान: 1, (vii) ऑर्थोपेडिक्स: 1, (viii) रेडियोलॉजी: 1, (ix) कान-नाक-गला: 1, (x) दंत चिकित्सा: 1, (xi) मनोचिकित्सक: 1, (xii) पैथोलॉजिस्ट: 1

⁽i) मेडिसिन: 1, (ii) शल्यचिकित्सा: 1, (iii) बाल चिकित्सा: 1, (iv) प्रसूति एवं स्त्री रोग: 1, (v) एनेस्थिसियोलॉजी: 1, (vi) नेत्र विज्ञान: 1, (vii) ऑथॉपेडिक्स: 1, (viii) रेडियोलॉजी: 1, (ix) कान-नाक-गला: 1, (x) दंत चिकित्सा: 1, (xi) त्वचा विशेषज्ञ/वेनेरोलॉजिस्ट: 1, (xii) पैथोलॉजिस्ट/माइक्रोबायोलॉजिस्ट/ बायोकेमिस्ट्री: 1, (xiii) जन स्वास्थ्य प्रबंधक: 1

⁽i) मेडिसिन: 1, (ii) शल्यचिकित्सा: 1, (iii) प्रसूति एवं स्त्री रोग: 1, (iv) बाल रोग विशेषज्ञ: 1, (v) एनेस्थेटिस्ट: 1, (vi) कान-नाक-गला: 1, (vii) नेत्र रोग विशेषज्ञ: 1, (viii) ऑथींपेडिक्स: 1, (ix) रेडियोलॉजिस्ट: 1, (x) दंत चिकित्सा: 1, (xi) जन स्वास्थ्य प्रबंधक: 1

तालिका 2.8: भारतीय जन स्वास्थ्य मानक मानदंडों के विरुद्ध जिला अस्पतालों में विशेषज्ञों की उपलब्धता (अप्रैल/मई 2023)

जिला अस्पताल	जिला अस्पतालों	भारतीय जन स्वास्थ्य मानक मानदंडों के	उपलब्ध विशेषज्ञों	अधिकता (+)/कमी
का प्रकार	की संख्या	अनुसार अपेक्षित विशेषज्ञों की संख्या	की संख्या	(प्रतिशत में)
300 बेड वाले	3	102	124	(+)22
200 बेड वाले	12	240	347	(+)45
100 बेड वाले	7	119	140	(+)18
कुल	22	461	611	(+)33

स्रोत: अप्रैल-मई 2023 में अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों दवारा दी गई जानकारी से संकलित।

जैसा कि उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है, 300 बेड वाले जिला अस्पतालों (22 प्रतिशत), 200 बेड वाले जिला अस्पतालों (45 प्रतिशत) तथा 100 बेड वाले जिला अस्पतालों (18 प्रतिशत) में विशेषज्ञों की संख्या अधिक थी। हिरयाणा राज्य में जिला अस्पतालों के मामले में विशेषज्ञों की समग्र स्थित आधिक्य में (33 प्रतिशत) थी। हालांकि जिला अस्पतालों में विशेषज्ञों की समग्र स्थित अच्छी थी, लेकिन जिला अस्पतालों में असमान वितरण था जैसा कि उप-पैरा (ख) में चर्चा की गई है।

(ख) जिलेवार विशेषज्ञों की उपलब्धता

जिला अस्पतालों में विशेषज्ञों की जिलेवार उपलब्धता *तालिका 2.9* में दी गई है।

तालिका 2.9: जिला अस्पतालों में विशेषज्ञों की जिलेवार उपलब्धता

क्र. सं.	जिले का नाम		विशेषज्ञ	
		भारतीय जन स्वास्थ्य मानक	उपलब्ध	आधिक्य (+)/कमी(-)
		2012 के अनुसार अपेक्षित		(प्रतिशत में)
1.	चरखी दादरी	17	10	41
2.	कैथल	20	13	35
3.	फतेहाबाद	17	12	29
4.	भिवानी	34	28	18
5.	जींद	20	18	10
6.	अंबाला	34	31	9
7.	नूहं	17	17	0
8.	यमुनानगर	20	21	(+) 5
9.	महेंद्रगढ़ (नारनौल)	17	18	(+) 6
10.	पलवल	17	20	(+) 18
11.	सिरसा	20	24	(+) 20
12.	पानीपत	20	27	(+) 35
13.	फरीदाबाद	20	28	(+) 40
14.	करनाल	20	28	(+) 40
15.	क्रक्षेत्र	20	28	(+) 40
16.	सोनीपत	20	29	(+) 45
17.	झज्जर	17	27	(+) 59
18.	रेवाड़ी	20	32	(+) 60
19.	पंचक्ला	34	65	(+) 91
20.	रोहतक	17	36	(+) 112
21.	हिसार	20	45	(+) 125
22.	ग्रुग्राम	20	54	(+) 170
	कुल	461	611	(+) 33

स्रोत: अप्रैल-मई 2023 में अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा दी गई जानकारी से संकलित। कलर कोड:लाल रंग सबसे अधिक कमी दर्शाता है, पीला रंग सबसे कम कमी दर्शाता है और हरा रंग कोई कमी नहीं /अधिकता दर्शाता है।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि सबसे अधिक कमी जिला अस्पताल चरखी दादरी में पाई गई, अर्थात 41 प्रतिशत। 15 जिला अस्पतालों में भारतीय जन स्वास्थ्य मानक मानदंडों के विरुद्ध अधिक संख्या में विशेषज्ञ तैनात/नियुक्त पाए गए।

(ग) विशेषज्ञों की विशेषज्ञता/विभागवार उपलब्धता

भारतीय जन स्वास्थ्य मानक 2012 के मानदंडों में 15 अलग-अलग विशेषज्ञताओं में स्त्री रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट, बाल रोग विशेषज्ञ आदि जैसे विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता का प्रावधान है। जिला अस्पतालों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रत्येक विशेषज्ञता में विशेषज्ञों की उपलब्धता *तालिका 2.10* में दर्शायी गई है।

तालिका 2.10: जिला अस्पतालों में विशेषज्ञों की उपलब्धता (विशेषज्ञता के अनुसार)

विशेषज्ञता का नाम	भारतीय जन स्वास्थ्य मानक के	उपलब्ध	आधिक्य (+)/कमी
	अनुसार अपेक्षित		(प्रतिशत में)
मेडिसिन	47	51	(+) 9
शल्यचिकित्सा	47	43	9
बाल चिकित्सा	62	57	8
प्रसूति एवं स्त्री रोग	62	67	(+) 8
एनेस्थिसियोलॉजी	47	59	(+) 26
नेत्र विज्ञान	25	63	(+) 152
आर्थोपेडिक्स	25	61	(+) 144
रेडियोलॉजी	25	10	60
कान-नाक-गला	25	40	(+) 60
दंत चिकित्सा	25	81	(+) 224
त्वचा विशेषज्ञ	3	2	33
मनोचिकित्सक	22	30	(+) 36
पैथोलॉजिस्ट	40	45	(+) 13
माइक्रोबायोलॉजिस्ट	3	1	67
फोरेंसिक मेडिसिन	3	1	67
कुल	461	611	(+) 33

स्रोतः अप्रैल-मई 2023 में अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा दी गई जानकारी से संकलित। कलर कोड:लाल रंग सबसे अधिक कमी दर्शाता है, पीला रंग मध्यम/कम कमी दर्शाता है और हरा रंग आधिक्य दर्शाता है।

जैसा कि उपर्युक्त से स्पष्ट है, शल्यचिकित्सा, बाल चिकित्सा, रेडियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री और फोरेंसिक मेडिसिन में विशेषज्ञों की कमी थी। हालांकि, मेडिसिन, प्रसूति एवं स्त्री रोग (ओबीजीवाई), एनेस्थिसियोलॉजी, नेत्र रोग, ऑथॉपेडिक्स, कान-नाक-गला, दंत चिकित्सा, मनोचिकित्सा और पैथोलॉजी जैसी कुछ विशेषज्ञताएं थीं, जहां भारतीय जन स्वास्थ्य मानक की तुलना में विशेषज्ञों की संख्या अधिक थी।

(ii) उप-मंडलीय सिविल अस्पताल

(क) मानदंडों के विरुद्ध विशेषज्ञों की उपलब्धता

अपेक्षित मानदंडों के विरुद्ध उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों (एस.डी.सी.एच.) में तैनात विशेषज्ञों का विवरण *तालिका 2.11* में दिया गया है।

¹¹ तालिका के क्रम संख्या 08 से 22 तक।

तालिका 2.11: भारतीय जन स्वास्थ्य मानक मानदंडों के विरुद्ध उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में विशेषजों की उपलब्धता

उप-मंडलीय सिविल अस्पताल का प्रकार	उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों की संख्या	भारतीय जन स्वास्थ्य मानक मानदंडों के अनुसार अपेक्षित विशेषज्ञों की संख्या	उपलब्ध विशेषज्ञों की संख्या	आधिक्य (+)/कमी (प्रतिशत में)
200 बेड वाले	1	20 ¹²	30	(+)50
100 बेड वाले	10	130	66	49
50 बेड वाले	30	330	83	75
कुल	41	480	179	63

स्रोत: अप्रैल-मई 2023 में अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा दी गई जानकारी से संकलित। कलर कोड:लाल रंग कमी दर्शाता है, पीला रंग मध्यम कमी दर्शाता है और हरा रंग आधिक्य दर्शाता है।

200 बेड वाले उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में विशेषज्ञों की संख्या अधिक (50 प्रतिशत) थी। कुल मिलाकर, उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में विशेषज्ञों की 63 प्रतिशत कमी पाई गई, मुख्य रूप से 100 बेड वाले और 50 बेड वाले उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में। जैसा कि उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है, जिला अस्पतालों की तुलना में उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में कमी अधिक गंभीर थी।

(ख) उप-मंडलीय सिविल अस्पताल-वार विशेषज्ञों की उपलब्धता

उप-मंडलीय सिविल अस्पताल-वार विशेषज्ञों की उपलब्धता *तालिका 2.12* में दी गई है।

तालिका 2.12: उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में विशेषज्ञों की उपलब्धता

जिले का	उप-मंडलीय	स्वीकृत	उपलब्ध बेड	कुल तैनात	विशेष	नर्जां की संख्या	
नाम	सिविल अस्पताल का नाम	बेड		_ डॉक्टर	भारतीय जन स्वास्थ्य मानक 2012 के अनुसार अपेक्षित	कुल तैनात डॉक्टरों में से	आधिक्य (+)/कमी (प्रतिशत में)
अंबाला	अंबाला कैंट	200	200	56	20	30	(+)50
	नारायणगढ	100	100	37	13	2	85
भिवानी	बवानी खेड़ा	50	50	9	11	1	91
	देवराला	50	2	0	11	0	100
	सिवानी	50	50	11	11	1	91
	तोशाम	50	50	11	11	1	91
फरीदाबाद	बल्लभगढ़	50	50	11	11	13 ¹³	(+)18
फतेहाबाद	रतिया	50	50	4	11	1	91
	टोहाना	100	50	27	13	4	69
गुरुग्राम	हेली मंडी	50	25	7	11	1	91
	पटौदी	50	50	15	11	5	55
	सोहना	50	50	12	11	5	55
हिसार	आदमपुर	50	50	12	11	3	73
	बरवाला	50	50	8	11	2	82
	हांसी	50	50	12	11	4	64
	नारनौंद	100	100	18	13	2	85
झज्जर	बहादुरगढ़	100	100	64	13	23	(+)77
	बेरी	50	50	14	11	5	55
	मातनहेल	50	50	14	11	1	91

^{12 200} बेड वाले उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों के लिए मानदंड भारतीय जन स्वास्थ्य मानक 2012 में नहीं दिए गए हैं। तालिका में उल्लिखित मानदंड वे हैं जो भारतीय जन स्वास्थ्य मानक मानदंड 2012 में जिला अस्पतालों के लिए दिए गए थे।

29

^{13 13} विशेषज्ञों में से केवल दो विशेषज्ञ महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं से संबंधित हैं तथा शेष 11 को एम्स, नई दिल्ली दवारा तैनात किया गया है।

जिले का	उप-मंडलीय	स्वीकृत	उपलब्ध बेड	कुल तैनात	विशेष	नजों की संख्या	
नाम	सिविल अस्पताल का नाम	बेड		डॉक्टर	भारतीय जन स्वास्थ्य मानक 2012 के अनुसार अपेक्षित	कुल तैनात डॉक्टरों में से	आधिक्य (+)/कमी (प्रतिशत में)
जींद	नरवाना	100	100	12	13	4	69
	सफीदों	50	50	7	11	2	82
	उ चाना	50	50	4	11	1	91
कैथल	गुल्हा	50	50	8	11	2	82
	कलायत	50	31	9	11	0	100
करनाल	अ संध	50	50	24	11	2	82
	नीलोखेड़ी	50	36	26	11	4	64
कुरुक्षेत्र	शाहबाद	100	30	26	13	3	77
महेंद्रगढ़ (नारनौल)	कनीना	50	30	12	11	1	91
	महेंद्रगढ़	100	25	21	13	12	8
पलवल	होडल	50	50	10	11	4	64
पंचकुला	कालका	50	55	17	11	5	55
पानीपत	समालखा	100	100	11	13	2	85
रेवाड़ी	कोसली	50	50	12	11	4	64
रोहतक	कलानौर	50	50	11	11	4	64
	महम	50	50	8	11	2	82
सिरसा	चौटाला	50	30	8	11	2	82
	डबवाली	100	100	35	13	7	46
	ऐलनाबाद	50	50	9	11	2	82
सोनीपत	गोहाना	50	50	12	11	2	82
	खरखौदा	50	24	13	11	3	73
यमुनानगर	जगाधरी	100	100	27	13	7	46
कुल		2700	2338	664	480	179	63

स्रोत: अप्रैल-मई 2023 में अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा दी गई जानकारी से संकलित। कलर कोड:लाल रंग सबसे अधिक कमी दर्शाता है, पीला रंग मध्यम कमी दर्शाता है और हरा रंग सबसे कम कमी/अधिकता दर्शाता है।

उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में तैनात 179 विशेषज्ञों में से 78 को चार उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में तैनात किया गया था जिनमें कुल 375 अंतः रोगी विभाग बेड थे अर्थात अंबाला कैंट, बल्लभगढ़ (दो राज्य सरकार और 11 एम्स, नई दिल्ली), बहादुरगढ़ और महेंद्रगढ़। शेष 37 उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों (1,963 उपलब्ध अंतः रोगी विभाग बेड) में केवल 101 विशेषज्ञ तैनात किए गए थे। उप-मंडलीय सिविल अस्पताल, देवराला (दो अंतः रोगी विभाग बेड) में कोई भी डॉक्टर तैनात नहीं पाया गया। विशेषज्ञों की कमी के कारण उपलब्ध बेड क्षमता का उपयोग नहीं किया जा सका। आगे, कई विशेषज्ञताओं में विशेषज्ञों की अनुपलब्धता के कारण, रोगियों को सेवाएं प्रदान नहीं की जा सकी।

(ग) विशेषज्ञों की विशेषज्ञता/विभागवार उपलब्धता

उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में आवश्यक विशेषज्ञों की उपलब्धता *तालिका 2.13* में दी गई है।

तालिका 2.13: उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में विशेषज्ञों की उपलब्धता (विशेषज्ञता-वार)

विशेषज्ञता का नाम	200 बे	ड वाले	100 बे	ड वाले	50 बेड वाले		200 ਕੇ ਤ ਗलੇ	100 ਕੇ ਤ ਗलੇ	50 ਕੇਤ ਗਲੇ
	आईपीएचएस के अनुसार अपेक्षित	उपलब्ध	आईपीएचएस के अनुसार अपेक्षित	उपलब्धा	आईपीएचएस के अनुसार अपेक्षित	उपलब्ध	आधिक्य (+)/ कमी (प्रतिशत में)	आधिक्य (+)/ कमी (प्रतिशत में)	आधिक्य (+)/ कमी (प्रतिशत में)
मेडिसिन	2	2	10	0	30	1	0	100	97
शल्यचिकित्सा	2	5	10	3	30	7	(+)150	70	77
बाल चिकित्सा	3	3	10	6	30	10	0	40	67
प्रस्ति एवं स्त्री रोग	3	1	10	10	30	16	67	0	47
एनेस्थिसियोलॉजी	2	3	10	6	30	6	(+)50	40	80
नेत्र विज्ञान	1	3	10	6	30	4	(+)200	40	87
हड्डी रोग	1	3	10	5	30	4	(+)200	50	87
रेडियोलोजी	1	2	10	1	30	1	(+)100	90	97
कान-नाक-गला	1	2	10	4	30	1	(+)100	60	97
दंत चिकित्सा	1	4	10	15	30	28	(+)300	(+)50	7
त्वचा विशेषज्ञ	उपलब्ध	उपलब्ध	10	1	उपलब्ध	उपलब्ध	उपलब्ध	90	उपलब्ध
	नहीं	नहीं			नहीं	नहीं	नहीं		नहीं
मनोचिकित्सक	1	1	उपलब्ध	उपलब्ध	उपलब्ध	उपलब्ध	0	उपलब्ध	उपलब्ध
			नहीं	नहीं	नहीं	नहीं		नहीं	नहीं
पैथोलॉजिस्ट/माइक्रोबायोलॉजिस्ट/	2	1	10	8	उपलब्ध	उपलब्ध	50	20	उपलब्ध
बायोकेमिस्ट्री ¹⁴					नहीं	नहीं			नहीं
जन स्वास्थ्य प्रबंधक	उपलब्ध	उपलब्ध	10	1	30	5	उपलब्ध	90	83
	नहीं	नहीं					नहीं		
कुल	20	30	130	66	330	83	(+)50	49	75

स्रोत: अप्रैल-मई 2023 में अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा दी गई जानकारी से संकलित। कलर कोड:लाल रंग सबसे अधिक कमी को दर्शाता है, पीला रंग मध्यम कमी को दर्शाता है और हरा रंग सबसे कम कमी/अधिकता को दर्शाता है।

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि 100 बेड वाले और 50 बेड वाले उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों के मामले में, भारतीय जन स्वास्थ्य मानक मानदंडों की तुलना में दंत चिकित्सा को छोड़कर सभी विशेषजताओं में कमी थी।

(iii) जिला अस्पतालों और उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में तीन विशेषज्ञताओं (बाल चिकित्सा, प्रसूति एवं स्त्री रोग और मेडिसन) के परिणाम

भारतीय जन स्वास्थ्य मानक 2012 के मानदंडों के अनुसार 300 बेड वाले जिला अस्पतालों के लिए चार बाल रोग विशेषज्ञ, चार प्रस्ति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ और तीन मेडिसिन विशेषज्ञ, 200 बेड वाले जिला अस्पतालों और उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों के लिए तीन बाल रोग विशेषज्ञ, तीन प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ और दो मेडिसिन विशेषज्ञ अपेक्षित होते है। आगे, 100 बेड वाले जिला अस्पतालों के लिए दो बाल रोग विशेषज्ञ, दो प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ और दो मेडिसिन विशेषज्ञ की सिफारिश की गई है। उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों के मामले में, भारतीय जन स्वास्थ्य मानक 2012 के मानदंडों के अनुसार 100 और 50 बेड वाले अस्पतालों के लिए एक बाल रोग विशेषज्ञ, एक प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ और एक मेडिसिन विशेषज्ञ अपेक्षित होता है।

^{4 200} बेड वाले उप-मंडलीय सिविल अस्पताल के मामले में केवल पैथोलॉजिस्ट अपेक्षित होता है।

(i) बाल चिकित्सा के अंतर्गत जिला अस्पतालों और उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में विशेषज्ञों की संयुक्त उपलब्धता (जिलावार), दोनों नियमित और संविदात्मक, *तालिका 2.14* में दी गई है।

तालिका 2.14: बाल चिकित्सा विशेषज्ञता में विशेषज्ञों की उपलब्धता

जिला का नाम				बाल चिकित्सा		
	भारतीय जन स्वास्थ्य	उपलब्ध	अधिक(-)/कमी	2022-23 के दौरान बाल रोग	प्रति बाल रोग विशेषज्ञ	2016-17 से 2022-23 की अवधि
	मानक के अनुसार		(प्रतिशत में)	बाह्य रोगी विभाग के मामले	औसत बाहय रोगी विभाग के	के दौरान बाह्य रोगी विभाग के
	अपेक्षित				मामले	मामलों की स्पार्कलाइन
चरखी दादरी	2	0	100	0		• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
भिवानी	8	1	88	33,191	33,191	
महेंद्रगढ़ (नारनौल)	4	1	75	38,320	38,320	
जींद	5	2	60	42,697	21,349	
कैथल	5	2	60	24,054	12,027	
फतेहाबाद	4	2	50	15,826	7,913	
नूहं	2	1	50	22,645	22,645	
पानीपत	4	2	50	35,783	17,892	
हिसार	7	4	43	24,904	6,226	
झज्जर	5	3	40	46,990	15,663	
अम्बाला	8	5	38	51,820	10,364	
सिरसा	6	4	33	30,875	7,719	
करनाल	5	4	20	34,366	8,592	
सोनीपत	5	4	20	51,880	12,970	
फरीदाबाद	4	4	0	94,651	23,663	
रेवाड़ी	4	4	0	24,656	6,164	
रोहतक	4	4	0	50,394	12,599	
यमुनानगर	4	4	0	61,846	15,462	
कुरुक्षेत्र	6	7	-17	19,983	2,855	
गुरुग्राम	4	5	-25	89,002	17,800	
чलवल	3	4	-33	40,571	10,143	
पंचकुला	5	9	-80	69,117	7,680	
कुल	104	76	27	903,571	11,889	

स्रोतः अप्रैल-मई 2023 में अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा दी गई जानकारी से संकलित।

कलर कोड:लाल रंग सबसे अधिक कमी को दर्शाता है, पीला रंग मध्यम कमी को दर्शाता है और हरा रंग सबसे कम कमी/अधिकता को दर्शाता है।

विभिन्न जिला अस्पतालों में रोगियों की संख्या के अनुरूप बाल रोग विशेषज्ञ तैनात नहीं थे। भिवानी और महेंद्रगढ़ में प्रत्येक डी.एच. में एक बाल रोग विशेषज्ञ के लिए बाहय रोगी विभाग लोड बहुत अधिक था। दूसरी ओर, कुरुक्षेत्र, रेवाड़ी और पंचकुला के जिला अस्पतालों में बाल रोग विशेषज्ञों के लिए बाहय रोगी विभाग लोड बहुत कम था। जिला अस्पताल, चरखी दादरी में कोई बाल रोग विशेषज्ञ तैनात नहीं पाया गया। विशेषज्ञों की अनुपलब्धता के कारण, चयनित स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव की चर्चा पैराग्राफ 3.5.3 में की गई है।

(ii) जिला अस्पतालों और उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों (जिलावार) की संयुक्त उपलब्धता, दोनों नियमित और संविदात्मक, *तालिका 2.15* में दी गई है।

जिला का नाम प्रसृति एवं स्त्री रोग भारतीय जन स्वास्थ्य 2022-23 के दौरान प्रसृति प्रति प्रसूति एवं स्त्री रोग 2016-17 मे 2022-23 की अवधि उपलब्ध अधिक(-)/कमी मानक के अनुसार (प्रतिशत में) एवं स्त्री रोग बाहय रोगी विशेषज्ञ औसत बाहय रोगी के टौरान बाहरा रोगी विभाग के अपेक्षित विभाग के मामले विभाग के मामले मामलों की स्पार्कलाइन कैथल 0 52,365 क्रक्षेत्र 75 27.086 27.086 4 75 महेंदगढ (नारनौल) 62.004 4 1 जींद 6 2 67 91.994 45,997 भिवानी 3 63 8 51,076 17,025 चरखी दादरी 2 50 31,794 31,794 फतेदाताट 50 4 2 40 527 20 264 सिरसा 6 50 72.246 24.082 3 हिसार 29 51.726 5 रेवाडी 37.152 12.384 4 3 25 करनाल 5 4 20 72,619 18,155 अम्बाला 8 1,42,199 17.775 15,481 झज्जर 5 5 77.404 0 पानीपत 4 4 70.195 17 549 रोहतक 4 60,346 15.087 मोनीपत 5 5 69 038 13 808 90 337 यम्नानगर 4 4 22 584 5 6 -20 1.50.151 25.025 पंचकुला -33 10,193 पलवल 3 40.770 2 4 -100 21.430 नहं 150 6.487 फरीटाबाट 4 10 64 867 ग्रुग्राम 6 15 -150 1.27.615 8.508 15,04,941

तालिका 2.15: प्रस्ति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञता में विशेषज्ञों की उपलब्धता

स्रोत: अप्रैल-मई 2023 में अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा दी गई जानकारी से संकलित। कलर कोड:लाल रंग सबसे अधिक कमी को दर्शाता है, पीला रंग मध्यम कमी को दर्शाता है और हरा रंग सबसे कम कमी/अधिकता को दर्शाता है।

यह देखा जा सकता है कि 2022-23 में 52,365 बाह्य रोगी विभाग मामले होने के बावजूद कैथल जिले में कोई प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ तैनात नहीं किया गया था। आगे, सात जिलों में 34 की आवश्यकता के विरुद्ध केवल 13 प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ नियुक्त किए गए थे। इन सात जिलों में एक वर्ष में कुल प्रसूति एवं स्त्री रोग के बाह्य रोगी विभाग मामले 3.77¹⁵ लाख थे। इस प्रकार, यह देखा जा सकता है कि आठ जिलों (कैथल सहित) में प्रसूति एवं स्त्री रोग के लिए बाह्य रोगी विभाग आंशिक रूप से गैर-विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा संभाली जा रही थी। विशेषज्ञों की कमी/अनुपलब्धता के कारण, चयनित स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव की चर्चा पैराग्राफ 3.5.2 (iii) में की गई है।

(iii) जिला अस्पतालों और उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में चिकित्सा विशेषज्ञों (जिलावार) की संयुक्त उपलब्धता, दोनों नियमित और संविदात्मक, *तालिका 2.16* में दी गई है।

¹⁵ (i) कुरुक्षेत्र, (ii) महेंद्रगढ़ (नारनौल), (iii) जींद, (iv) भिवानी, (v) चरखी दादरी, (vi) फतेहाबाद और (vii) सिरसा।

तालिका 2.16: मेडिसन विशेषज्ञता में विशेषज्ञों की उपलब्धता

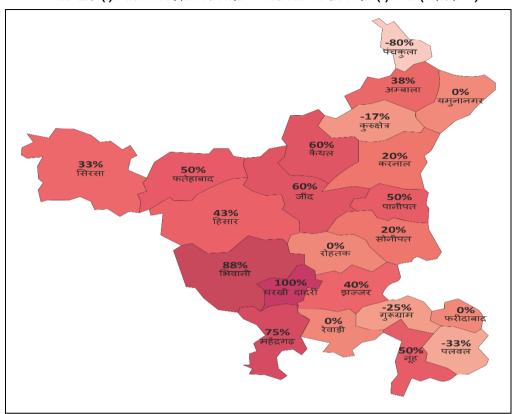
जिला का नाम				मेडिसन		
	भारतीय जन स्वास्थ्य	उपलब्ध	अधिक(-)/कमी	2022-23 के दौरान मेडिसन	प्रति मेडिसन विशेषज्ञ औसत	2016-17 से 2022-23 की अवधि
	मानक के अनुसार		(प्रतिशत में)	बाह्य रोगी विभाग के मामले	बाह्य रोगी विभाग के मामले	के दौरान बाह्य रोगी विभाग के
	अपेक्षित					मामलों की स्पार्कलाइन
फतेहाबाद	4	0	100	20,745		/
महेंद्रगढ़ (नारनौल)	4	0	100	1,39,032		
पलवल	3	0	100	1,02,882		
यमुनानगर	3	0	100	1,45,091		
जींद	5	1	80	2,68,608	2,68,608	
सिरसा	5	1	80	1,65,320	1,65,320	~~/
रेवाड़ी	3	1	67	71,696	71,696	
भिवानी	7	3	57	2,02,027	67,342	
चरखी दादरी	2	1	50	62,251	62,251	
कैथल	4	2	50	1,86,493	93,247	
हिसार	6	4	33	1,81,742	45,436	
करनाल	4	3	25	2,23,301	74,434	
रोहतक	4	3	25	1,49,899	49,966	
झज्जर	5	4	20	1,28,405	32,101	
अम्बाला	6	5	17	3,38,432	67,686	
फरीदाबाद	3	3	0	2,06,265	68,755	
कुरुक्षेत्र	3	3	0	2,15,482	71,827	
नूहं	2	2	0	49,256	24,628	
पानीपत	3	3	0	1,47,710	49,237	
सोनीपत	4	4	0	1,33,471	33,368	
गुरुग्राम	5	6	-20	1,47,375	24,563	
पंचकुला	4	5	-25	1,36,140	27,228	
कुल	89	54	39	34,21,623	63,363	

स्रोत: अप्रैल-मई 2023 में अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा दी गई जानकारी से संकलित। कलर कोड:लाल रंग सबसे अधिक कमी को दर्शाता है, पीला रंग मध्यम कमी को दर्शाता है और हरा रंग सबसे कम कमी/अधिकता को दर्शाता है।

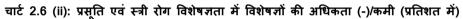
फतेहाबाद, महेंद्रगढ़ और यमुनानगर जिलों में कोई भी मेडिसिन विशेषज्ञ नहीं था। इस प्रकार, इन तीन जिलों में 2022-23 के दौरान 3.05 लाख बाह्य रोगी विभाग मामलों को गैर-विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा संभाला गया। पलवल में 25 अगस्त 2022 से 09 मार्च 2023 तक, जिला अस्पताल पलवल में फिजिशियन/मेडिसिन विशेषज्ञ उपलब्ध थे तथा जींद और सिरसा में 10 की आवश्यकता के विरुद्ध दो मेडिसिन विशेषज्ञ तैनात किए गए थे। इस प्रकार मेडिसिन बाह्य रोगी विभाग आंशिक रूप से मेडिसिन विशेषज्ञों द्वारा संचालित की गई।

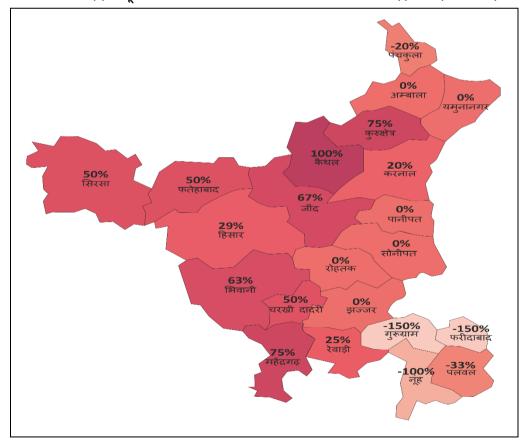
एग्जिट कॉन्फ्रेंस (जनवरी 2023) के दौरान, हरियाणा सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव ने लेखापरीक्षा टिप्पणियों से सहमित जताते हुए कहा कि मैनपावर के युक्तिकरण और विशेषज्ञ कैडर के सृजन की प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही पूरी हो जाएगी। अंतिम कार्रवाई प्रतीक्षित थी (दिसंबर 2023)।

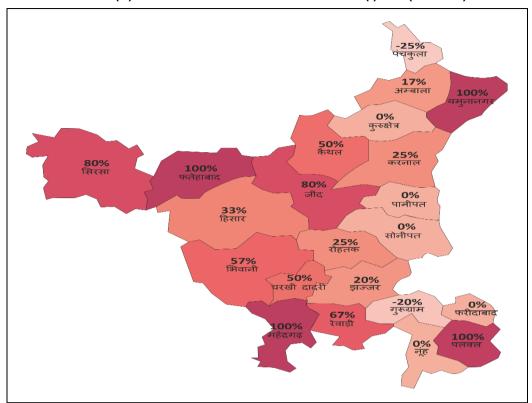
सभी जिलों में उपर्युक्त विशेषज्ञों का वितरण मानचित्रित किया गया है जैसा कि चार्ट 2.6 में दर्शाया गया है।



चार्ट 2.6 (i): बाल चिकित्सा विशेषज्ञता में विशेषज्ञों की अधिकता (-)/कमी (प्रतिशत में)







चार्ट 2.6 (iii): मेडिसन विशेषज्ञता में विशेषज्ञों की अधिकता (-)/कमी (प्रतिशत में)

स्रोत: अप्रैल-मई 2023 में अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा दी गई जानकारी से संकलित। कलर कोड: हल्के से गहरे रंग पर स्केल किया गया। रंग जितना गहरा होगा कमी उतनी अधिक होगी।

(iv) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञों का विभाग/विशेषज्ञगता वार वितरण

भारतीय जन स्वास्थ्य मानक 2012 के मानदंडों के अनुसार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक फिजिशियन/फैमिली मेडिसिन विशेषज्ञ, सर्जन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, एनेस्थिसियोलॉजिस्ट और दंत चिकित्सा अधिकारी होना चाहिए।

हरियाणा राज्य में 126 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञों और दंत चिकित्सकों की उपलब्धता का विवरण *तालिका 2.17* में दर्शाया गया है।

तालिका 2.17: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञों की उपलब्धता (12 मई 2023 तक)

	3			•	•
蛃.	विशेषज्ञता	भारतीय जन स्वास्थ्य	भारतीय जन स्वास्थ्य	उपलब्धता	कमी
सं.	का नाम	मानक के अनुसार प्रति	मानक 2012 के	(सामुदायिक	(प्रतिशत में)
		सामुदायिक स्वास्थ्य	अनुसार कुल	स्वास्थ्य केंद्रों की	
		केंद्र आवश्यकता	आवश्यकता	संख्या में)	
1	जनरल सर्जन	1	126	1	99
2	फिजिशियन	1	126	3	98
3	प्रसूति एवं स्त्री रोग	1	126	4	97
4	बाल चिकित्सक	1	126	1	99
5	एनेस्थिसियॉलॉजिस्ट	1	126	1	99
6	दंत चिकित्सा अधिकारी	1	126	85	33

स्रोत: अप्रैल-मई 2023 में अलग-अलग स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा दी गई जानकारी से संकलित। कलर कोड:लाल रंग सबसे अधिक कमी को दर्शाता है और नारंगी रंग सबसे कम कमी को दर्शाता है।

इस प्रकार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के मामले में, दंत चिकित्सा को छोड़कर सभी विशेषज्ञताओं में विशेषज्ञों की भारी कमी थी। विशेषज्ञों की कमी के कारण, चयनित जिला अस्पतालों, उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञताओं पर पड़ने वाले प्रभाव की चर्चा 3.1.1, 3.1.5, 3.2.5, 3.2.6, 3.2.7, 3.3.4 और 3.6.1 में की गई है।

2.3 चिकित्सा शिक्षा एवं अन्संधान निदेशालय (डीएमईआर) के अंतर्गत मानव संसाधन

चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय जिसमें पांच मेडिकल कॉलेजों और पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक की स्वीकृत पद संख्या शामिल की है, की स्वीकृत पद संख्या महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के बाद दूसरी अधिकतम स्वीकृत पद संख्या 10,072 है। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय में मैनपावर की स्थिति तालिका 2.18 में दी गई है।

तालिका 2.18: चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय के अंतर्गत मैनपावर की स्थिति (अक्तूबर 2022 तक)

मेडिकल कॉलेज/कार्यालय का नाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	रिक्त पदों की
	पद	संख्या	पद	प्रतिशतता
पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक	4,872	2,838	2,034	41.7
भगत फूल सिंह महिला जी.एम.सी.*, खानपुर कलां, सोनीपत	1,621	1,132	489	30.2
शहीद हसन खान मेवाती जी.एम.सी., नल्हड, नूंह	1,059	372	687	64.9
श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी.एम.सी., फरीदाबाद	967	195	772	79.8
कल्पना चावला जी.एम.सी., करनाल	954	467	487	51.0
महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा	494	329	165	33.4
चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय, हरियाणा, (मुख्यालय कार्यालय पंचकुला)	105	97	8	7.6
क्ल	10,072	5,430	4,642	

स्रोतः मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा

* जी.एम.सी.: गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज।

जैसा कि उपर्युक्त दी गई तालिका में दर्शाया गया है, सभी पांच मेडिकल कॉलेजों और पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (पी.बी.डी.शर्मा, यु.एच.एस.), रोहतक में मैनपावर की कमी है। श्री अटल बिहारी वाजपेयी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद में मैनपावर की सबसे अधिक कमी है, उसके बाद शहीद हसन खान मेवाती गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (एस.एच.के.एम.जी.एम.सी.), नल्हड (नूहं) का स्थान है।

चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय में मैनपावर की श्रेणीवार स्थिति *तालिका 2.19* में दी गई है।

तालिका 2.19: चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय के अंतर्गत मैनपावर की श्रेणीवार स्थिति (अक्तूबर 2022 तक)

श्रेणी	स्वीकृत पद	कार्यरत संख्या	रिक्त पद	रिक्त पदों की प्रतिशतता
डॉक्टर	1,757	1050	707	40.2
नर्स	2,651	2,018	633	23.9
पैरामेडिक्स	2,149	806	1,343	62.5
अन्य	3,515	1,556	1,959	55.7
कुल	10,072	5,430	4,642	

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा

जैसा कि उपर्युक्त तालिका में दर्शाया गया है, पांचों मेडिकल कॉलेजों और पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक में 40.2 प्रतिशत डॉक्टरों, 23.9 प्रतिशत नर्सों और 62.5 प्रतिशत पैरामेडिक स्टाफ की कमी थी।

चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय में कुछ विशिष्ट पदों के लिए मैनपावर की कमी तालिका 2.20 में दी गई है।

तालिका 2.20: अक्तूबर 2022 तक चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय में कुछ विशिष्ट पदों की मैनपावर स्थिति

क्र. सं.	पदनाम	स्वीकृत पद	कार्यरत संख्या	रिक्त पद	रिक्त पदों की प्रतिशतता
1	प्रोफेसर/वरिष्ठ प्रोफेसर	256	242	14	5.5
2	एसोसिएट प्रोफेसर	216	133	83	38.4
3	सहायक प्रोफेसर	691	391	300	43.4
4	अन्य डॉक्टर	594	284	310	52.2
	क्ल	1757	1,050	707	
1	स्टाफ नर्स	2,184	1,679	505	23.1
2	नर्सिंग सिस्टर	383	284	99	25.8
3	सहायक नर्सिंग अधीक्षक	44	22	22	50.0
4	अन्य नर्स	40	33	7	17.5
	कुल	2,651	2,018	633	
1	लैब तकनीशियन और प्रयोगशाला तकनीशियन	351	198	153	43.6
2	लैब अटेंडेंट	205	38	167	81.5
3	ऑपरेशन थियेटर अटेंडेंट/सहायक	168	90	78	46.4
4	तकनीकी सहायक	141	19	122	86.5
5	रेडियोग्राफर और रेडियोग्राफिक तकनीशियन	88	52	36	40.9
6	ऑपरेशन थियेटर तकनीशियन	80	55	25	31.3
7	अन्य पैरामेडिक्स	1,116	354	762	68.3
	कुल	2,149	806	1,343	

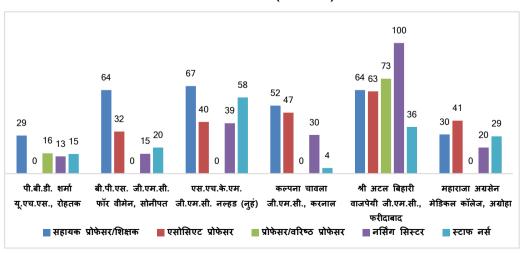
स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली से डेटा का लेखापरीक्षा विश्लेषण

कलर कोड:लाल रंग सबसे अधिक रिक्तियों को दर्शाता है; पीला रंग मध्यम रिक्तियों को दर्शाता है तथा हरा रंग सबसे कम रिक्तियों को दर्शाता है।

मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में मैनपावर की कमी को पूरा करने के लिए विभाग ने संविदा के आधार पर कर्मचारियों की भर्ती की थी। जनवरी 2024 तक डॉक्टरों के दो पद अर्थात एक एसोसिएट प्रोफेसर (मेडिकल कॉलेज अस्पताल नल्हड) और एक रिसर्च साइंटिस्ट (भगत फूल सिंह महिला गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (बी.पी.एस.जी.एम.सी.फॉर वीमेन), खानपुर कलां, सोनीपत) संविदा के आधार पर भरे गए थे। आगे, नर्सों के 431 पद और पैरामेडिक्स के 560 पद आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरे गए थे। आउटसोर्स स्टाफ तैनात करने के बाद भी डॉक्टरों के 705 पद, नर्सों के 202 पद और पैरामेडिक्स के 783 पद खाली थे।

अक्तूबर 2022 तक पांच मेडिकल कॉलेजों और पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक में पदवार रिक्तियां *चार्ट 2.7* में दी गई हैं।

चार्ट 2.7: अक्तूबर 2022 तक चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय के तहत मेडिकल कॉलेजों में स्टाफ की कमी (प्रतिशत में)



स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली से डेटा का लेखापरीक्षा विश्लेषण

जैसा कि चार्ट से देखा गया है:

- i. पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक में 29 प्रतिशत सहायक प्रोफेसर, 16 प्रतिशत प्रोफेसर/विरष्ठ प्रोफेसर और 15 प्रतिशत स्टाफ नर्स के पद रिक्त थे।
- ii. भगत फूल सिंह महिला गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, सोनीपत में 64 प्रतिशत सहायक प्रोफेसर, 32 प्रतिशत एसोसिएट प्रोफेसर और 20 प्रतिशत स्टाफ नर्स के पद रिक्त थे।
- iii. शहीद हसन खान मेवाती गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, नल्हड़ में 67 प्रतिशत सहायक प्रोफेसर, 40 प्रतिशत एसोसिएट प्रोफेसर और 58 प्रतिशत स्टाफ नर्स के पद रिक्त थे।
- iv. कल्पना चावला गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, करनाल में 52 प्रतिशत सहायक प्रोफेसर, 47 प्रतिशत एसोसिएट प्रोफेसर और 30 प्रतिशत नर्सिंग सिस्टर के पद रिक्त थे।
- v. श्री अटल बिहारी वाजपेयी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद में 64 प्रतिशत सहायक प्रोफेसर, 63 प्रतिशत एसोसिएट प्रोफेसर और 73 प्रतिशत प्रोफेसर के पद रिक्त थे।
- vi. महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में 30 प्रतिशत सहायक प्रोफेसर, 41 प्रतिशत एसोसिएट प्रोफेसर तथा 29 प्रतिशत स्टाफ नर्स के पद रिक्त थे।

आगे, पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक को छोड़कर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय के अंतर्गत किसी भी मेडिकल कॉलेज में नियमित निदेशक और चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त नहीं किए गए थे। ये श्रेणियां जन स्वास्थ्य अवसंरचना प्रदान करने और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन में प्रमुख भूमिका निभाती हैं।

निदेशक, कल्पना चावला गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, करनाल ने उत्तर दिया (जनवरी 2023) कि संस्थान ने रिक्त पदों को भरने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है और पदों को विज्ञापित करने की अनुमित देने के लिए सरकार को अनुरोध भेजा गया है। यह भी सूचित किया गया कि ग्रुप सी के अधिकांश पद पदोन्नित वाले पद हैं और उन्हें पदोन्नित के माध्यम से भरा जाना अपेक्षित है।

2.4 परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत मानव संसाधन

हरियाणा सरकार के अधीन स्वास्थ्य संस्थानों के कुल कार्यबल में परिवार कल्याण विभाग का हिस्सा 8 प्रतिशत है, जिसकी कुल स्वीकृत संख्या 3,384 है। इनमें से 2,213 पद भरे हुए हैं और 1,171 पद रिक्त हैं। इस प्रकार, विभाग में 34.6 प्रतिशत पद रिक्त हैं। अक्तूबर 2022 तक प्रत्येक श्रेणी में मैनपावर की स्थिति *तालिका 2.21* में दी गई है।

तालिका 2.21: परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत मैनपावर की स्थिति

श्रेणी	स्वीकृत पद	कार्यरत संख्या	रिक्त पद	रिक्त पदों की प्रतिशतता
डॉक्टर	51	20	31	60.8
नर्स	18	2	16	88.9
पैरामेडिक्स	2,833	2,020	813	28.7
अन्य	482	171	311	64.5
कुल	3,384	2,213	1,171	34.6

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा

जैसा कि ऊपर दर्शाया गया है, परिवार कल्याण विभाग में विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत 28.7 प्रतिशत से 88.9 प्रतिशत पद रिक्त पड़े थे। इनमें 60.8 प्रतिशत डॉक्टरों, 88.9 प्रतिशत नर्सों और 28.7 प्रतिशत पैरामेडिकल स्टाफ की कमी है। विभाग में कोई संविदा कर्मचारी तैनात नहीं किया गया है।

परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत कुछ विशिष्ट पदों पर मैनपावर की कमी *तालिका 2.22* में दी गई है:

तालिका 2.22: कुछ विशिष्ट पदों पर मैनपावर की कमी

पदनाम	स्वीकृत पद	कार्यरत संख्या	रिक्त पद	रिक्त पदों की प्रतिशतता
मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर (महिला)	2,774	1,993	781	28
क्लर्क	109	38	71	65
ड्राईवर	82	21	61	74
सहायक	64	49	15	23
डिप्टी सिविल सर्जन	38	4	34	89
क्लास-IV	38	10	28	74
चपरासी	31	11	20	65
सांख्यिकीय सहायक	29	15	14	48
कनिष्ठ लेखापरीक्षक	21	2	19	90
रेफ्रिजरेटर मैकेनिक	20	6	14	70
उप-अधीक्षक	18	2	16	89
सांख्यिकीय अन्वेषक	17	2	15	88
जिला जन स्वास्थ्य नर्सिंग अधिकारी	12	0	12	100

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा

कलर कोड:लाल अधिकांश रिक्तियों को दर्शाता है; पीला मध्यम रिक्तियों को दर्शाता है और हरा न्यूनतम रिक्तियों को दर्शाता है।

जैसा कि उपर्युक्त तालिका में दर्शाया गया है, विभिन्न प्रकार के पदों के लिए रिक्त पदों की प्रतिशतता 23 प्रतिशत से 100 प्रतिशत के बीच थी।

2.5 आयुष के अंतर्गत मानव संसाधन

आयुष विभाग के लिए स्वीकृत पद 2,277 हैं जो हरियाणा सरकार के अधीन स्वास्थ्य संस्थानों की कुल स्वीकृत संख्या का 5.5 प्रतिशत है। यह पाया गया कि इस विभाग में नियमित कर्मचारियों के मामले में 1,261 (55 प्रतिशत) पद रिक्त थे। कई प्रमुख पदों में कमी देखी गई है जिसकी चर्चा अगले पैराग्राफ में की गई है। मैनपावर की श्रेणीवार स्थिति तालिका 2.23 में दी गई है।

तालिका 2.23: अक्तूबर 2022 तक आयुष के अंतर्गत मैनपावर की स्थिति

श्रेणी	स्वीकृत पद	कार्यरत संख्या	रिक्त पद	रिक्त पदों की प्रतिशतता
डॉक्टर	750	372	378	50.4
नर्स	27	2	25	92.6
पैरामेडिक्स	1,208	480	728	60.3
अन्य	292	162	130	44.5
कुल	2,277	1,016	1,261	

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा

विभाग में 50.4 प्रतिशत डॉक्टर, 92.6 प्रतिशत नर्स और 60.3 प्रतिशत पैरामेडिकल स्टाफ की कमी थी। अन्य श्रेणी में भी 44.5 प्रतिशत स्टाफ की कमी थी, जिसमें लिपिक, लेखाकार, सहायक, स्वीपर, वार्ड-बॉय आदि के पद शामिल थे।

आयुष विभाग में कुछ प्रमुख पदों के लिए मैनपावर की कमी *तालिका 2.24* में दर्शाई गई है। तालिका 2.24: आयुष विभाग के अंतर्गत कुछ प्रमुख पदों पर मैनपावर की स्थित (अक्तूबर 2022 तक)

पदनाम	स्वीकृत पद	कार्यरत संख्या	रिक्त पद	रिक्त पदों की प्रतिशतता
फार्मासिस्ट आयुर्वेदिक	548	383	165	30
आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी	546	304	242	44
प्रशिक्षित दाई	484	36	448	93
लेक्चरर	37	15	22	59
मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर (महिला)	34	0	34	100
होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी	33	3	30	91
डिस्पेंसर होम्योपैथिक	29	17	12	41
रीडर	28	13	15	54
प्रोफ़ेसर	28	13	15	54
जिला आयुर्वेदिक अधिकारी	22	13	9	41
आयुष योग कोच	22	0	22	100

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा

कलर कोड: लाल अधिकांश रिक्तियों को दर्शाता है; पीला मध्यम रिक्तियों को दर्शाता है और हरा न्यूनतम रिक्तियों को दर्शाता है।

जैसा कि ऊपर दी गई तालिका में दर्शाया गया है, कुछ प्रमुख पदों पर 30 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक पद रिक्त थे। जिला स्तर पर आयुष विभाग में पदों का विषम वितरण तालिका 2.25 में दर्शाया गया है।

तालिका 2.25: अक्तूबर 2022 तक आयुष विभाग के अंतर्गत आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों का जिलावार विषम वितरण

जिले	2011 की	कुल पद				आय्	विंदिक चिवि	न्त्सा अधि	कारी
का नाम	जनगणना के	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	रिक्त पद	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	रिक्त पद
	अनुसार जनसंख्या	पद	संख्या	पद	प्रतिशत	पद	संख्या	पद	प्रतिशत
फरीदाबाद	18,09,733	30	14	16	53	8	6	2	25
हिसार	17,43,931	164	67	97	59	53	21	32	60
गुरुग्राम	15,14,432	68	35	33	49	13	12	1	8
करनाल	15,05,324	97	47	50	52	28	17	11	39
सोनीपत	14,50,001	92	53	39	42	27	18	9	33
जींद	13,34,152	116	50	66	57	36	12	24	67
सिरसा	12,95,189	117	49	68	58	40	21	19	48
यमुनानगर	12,14,205	66	33	33	50	18	10	8	44
पानीपत	12,05,437	64	27	37	58	19	4	15	79
भिवानी	11,32,169	104	65	39	38	25	23	2	8
अंबाला	11,28,350	108	39	69	64	18	13	5	28
न्रह	10,89,263	77	24	53	69	16	6	10	63
कैथल	10,74,304	86	42	44	51	26	14	12	46
रोहतक	10,61,204	99	72	27	27	32	27	5	16
पलवल	10,42,708	72	25	47	65	15	8	7	47
कुरुक्षेत्र	9,64,655	229	113	116	51	20	17	3	15
झज्जर	9,58,405	100	42	58	58	30	16	14	47
फतेहाबाद	9,42,011	62	26	36	58	19	9	10	53
महेंद्रगढ़	9,22,088	237	56	181	76	39	13	26	67
रेवाड़ी	9,00,332	63	31	32	51	18	16	2	11
पंचकुला	5,61,293	131	82	49	37	19	14	5	26
चरखी दादरी	5,02,276	95	24	71	75	27	7	20	74
कुल	2,53,51,462	2,277	1,016	1,261	55	546	304	242	44

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा

कलर कोड: लाल अधिकांश रिक्तियों को दर्शाता है; पीला मध्यम रिक्तियों को दर्शाता है और हरा न्यूनतम रिक्तियों को दर्शाता है।

ऊपर दी गई तालिका से पता चलता है कि जिला स्तर पर असमान रूप से पद स्वीकृत किए गए हैं। जिलों के लिए स्वीकृत कुल पदों की सीमा फरीदाबाद में सबसे कम (30) और

महेंद्रगढ़ में सबसे अधिक (237) तक है। पंचकुला की जनसंख्या सबसे कम 5.61 लाख है और इसके लिए 131 पद स्वीकृत हैं जबिक फरीदाबाद के लिए जिसकी जनसंख्या सबसे अधिक 18.09 लाख है, केवल 30 पद स्वीकृत हैं। यह दर्शाता है कि जिले की जनसंख्या को ध्यान में रखकर पद स्वीकृत नहीं किए गए हैं।

आगे, विभाग में उपलब्ध मैनपावर को समान रूप से वितरित नहीं किया गया था। जिलों में रिक्त पदों की संख्या पूर्ण आंकड़ों में 16 से 181 के बीच है और प्रतिशतता की दृष्टि से जिला स्तर पर 27 प्रतिशत से 76 प्रतिशत पद रिक्त हैं।

राज्य में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी के कुल 44 प्रतिशत पद रिक्त पड़े थे। जिला स्तर पर आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों के सबसे कम आठ प्रतिशत पद गुरुग्राम में और सबसे अधिक 79 प्रतिशत पद पानीपत में रिक्त थे। पूर्ण संख्या की दृष्टि से भी आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों के रिक्त पदों में भारी अंतर था क्योंकि गुरुग्राम जिले में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी का केवल एक पद रिक्त था जबकि हिसार जिले में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों के 32 पद रिक्त थे।

जनवरी 2024 तक आयुष विभाग ने नियमित कर्मचारियों के अलावा 2,234 संविदा कर्मचारियों को भी तैनात किया था, जिससे कुल तैनात मैनपावर स्वीकृत पदों की संख्या से अधिक हो गयी थी। इससे पता चलता है कि स्वीकृत पद संख्या के विरुद्ध पर्याप्त मैनपावर तैनात की गई थी, लेकिन 2,234 संविदा कर्मचारियों में से 916 योग सहायक और 1,021 सफाई कर्मचारी, जलवाहक आदि थे।

आयुष विभाग ने उत्तर दिया (जनवरी 2023) कि जिला आयुर्वेदिक अधिकारी, आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी, आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट, होम्योपैथिक फार्मासिस्ट, आयुष योग कोच और मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर की भर्ती के लिए हरियाणा लोक सेवा आयोग और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को मांग-पत्र भेजे गए थे।

2.6 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत स्टाफ की उपलब्धता

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा गुणवतापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता है, विशेष रूप से कमजोर समूहों को गुणवतापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को सुगम बनाकर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत मैनपावर की स्थिति *तालिका 2.26* में दी गई है।

तालिका 2.26: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत विभिन्न पदों पर कर्मचारियों की उपलब्धता (जनवरी 2024 तक)

श्रेणी	स्वीकृत पद	कार्यरत संख्या	रिक्त पद	रिक्त पदों की प्रतिशतता
डॉक्टर	648	345	303	47
नर्स	2,764	2,324	440	16
पैरामेडिक्स	8,385	6,823	1,562	19
अन्य	5,989	4,976	1,013	17
कुल	17,786	14,468	3,318	

स्रोत: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा द्वारा जनवरी 2024 तक दी गई जानकारी।

उपर्युक्त तालिका से पता चलता है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा में डॉक्टरों के 47 प्रतिशत पद रिक्त थे।

2.7 खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफडीए) के अंतर्गत मानव संसाधन

खाद्य एवं औषिध प्रशासन, हरियाणा की कुल स्वीकृत पद संख्या 583 है। यह पाया गया कि खाद्य एवं औषिध प्रशासन में 56 प्रतिशत अर्थात 326 पद रिक्त पड़े हैं। खाद्य एवं औषिध प्रशासन में कुछ पदों के लिए मैनपावर की कमी *तालिका 2.27* में दर्शाई गई है।

तालिका 2.27: खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अंतर्गत संविदा कर्मचारियों सहित मैनपावर की स्थिति (अक्तूबर 2022 तक)

पदनाम	स्वीकृत पद	कार्यरत संख्या	रिक्त पद	रिक्त पदों की प्रतिशतता
ड्रग नियंत्रण अधिकारी	46	12	34	74
सहायक	46	19	27	59
खाद्य सुरक्षा अधिकारी	45	12	33	73
केमिस्ट	29	12	17	59
प्रयोगशाला तकनीशियन	29	19	10	34
उप-अधीक्षक	27	3	24	89
लेबोरेटरी अटेंडेंट	25	6	19	76
रीडर	23	0	23	100
नामित अधिकारी	22	5	17	77
विश्लेषक	11	3	8	73

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा

कलर कोड:लाल रंग सबसे अधिक रिक्तियों को दर्शाता है; पीला रंग मध्यम रिक्तियों को दर्शाता है तथा हरा रंग सबसे कम रिक्तियों को दर्शाता है।

उपर्युक्त पदों के लिए कमी की प्रतिशतता 34 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक थी।

जनवरी 2024 तक, खाद्य एवं औषिध प्रशासन द्वारा 175 संविदा¹⁶ कर्मचारियों को भी नियुक्त किया गया है, लेकिन अधिकांश कर्मचारी लिपिक और मल्टीटास्किंग पदों से संबंधित थे।

विभाग ने बताया (दिसंबर 2022 और जनवरी 2023) कि 26 ड्रग नियंत्रण अधिकारियों के चयन को 2020 में अंतिम रूप दिया गया था लेकिन मामला वाद के अधीन है। इसके अलावा वर्ष 2022 के दौरान केमिस्ट और लेबोरेटरी अटेंडेंट के पद के लिए मांग पहले ही हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को भेजी जा चुकी थी। रीडर का पद सरकार द्वारा 2018 में स्वीकृत किया गया था लेकिन सेवा नियमावली तैयार करने का कार्य प्रक्रियाधीन है। सहायक, उपाधीक्षक और नामित अधिकारियों के पद पदोन्नित द्वारा भरे जाने थे, परंतु योग्य उम्मीदवार नहीं मिलने के कारण ये पद रिक्त रह गए।

2.8 एम्ब्लेंस सेवाओं के लिए ड्राईवरों/आपातकालीन चिकित्सा दल (ईएमटी) की कमी

रेफरल ट्रांसपोर्ट स्कीम के कार्यान्वयन के लिए मई 2019 में जारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा के संशोधित दिशानिर्देश निर्धारित करते हैं कि:

(i) प्रत्येक एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस/बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस/नियोनेट एंड पेशेंट ट्रांसपोर्ट एम्बुलेंस के लिए तीन ड्राइवर तैनात किए जाने चाहिए। किलकारी एम्बुलेंस के लिए एक ड्राइवर तैनात किया जाना चाहिए।

¹⁶ खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा संविदा के आधार पर ग्रुप सी और ग्रुप डी स्टाफ के 175 पद भरे गए थे, जिनमें मुख्य रूप से (i) लिपिक स्टाफ: 66, (ii) मल्टीटास्किंग स्टाफ: 80, (iii) ड्राइवर: 8 और (iv) वैज्ञानिक

सहायकः 11 शामिल थे।

(ii) प्रत्येक एडवांस लाइफ सपोर्ट/ बेसिक लाइफ सपोर्ट/ नियोनेट एम्बुलेंस के लिए तीन आपातकालीन चिकित्सा दल तैनात किए जाने चाहिए। भले ही उपलब्ध आपातकालीन चिकित्सा दल मानक से कम हों, लेकिन प्रत्येक एम्बुलेंस के लिए तीन आपातकालीन चिकित्सा दल तैनात किए जाने को सुनिश्चित करने के लिए आपरेशनल एडवांस लाइफ सपोर्ट/ बेसिक लाइफ सपोर्ट/ नियोनेट एम्बुलेंस की संख्या कम की जा सकती है। सबसे पहले एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, फिर बेसिक लाइफ सपोर्ट को और फिर नियोनेट एम्बुलेंस को।

नमूना-जांच किए गए जिलों में अप्रैल 2022 (पानीपत) और जून 2022 (नूंह और हिसार) तक एम्बुलेंस पर ड्राइवरों/आपातकालीन चिकित्सा दल की कमी का विवरण *तालिका 2.28* में दिया गया है।

तालिका 2.28: एम्ब्लेंसों और आपातकालीन चिकित्सा दलों के लिए मैनपावर की कमी

जिले का	एंबुलेंसों की		ड्राईवः	Ţ.	आपातकालीन चिकित्सा दल			
नाम	संख्या	अपेक्षित	उपलब्ध	कमी (प्रतिशत में)	अपेक्षित	उपलब्ध	कमी (प्रतिशत में)	
पानीपत	28	84	57	32	84	25	70	
नूंह (मेवात)	30	90	66	27	90	34	62	
हिसार	27	81	65	20	81	35	57	
कुल	85	255	188	26	255	94	63	

स्रोतः नमूना-जांच किए गए जिलों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना।

कलर कोड: लाल अधिकांश रिक्तियों को दर्शाता है; पीला मध्यम रिक्तियों को दर्शाता है और हरा न्यूनतम रिक्तियों को दर्शाता है।

संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार इन एंबुलेंसों पर 255 ड्राईवर (85 एंबुलेंस X 3 ड्राईवर) तैनात होने चाहिए थे जिनकी तुलना में केवल 188 ड्राईवर तैनात किए गए थे। अपेक्षित 255 आपातकालीन चिकित्सा दलों (85 एंबुलेंस X 3 आपातकालीन चिकित्सा दल) की तुलना में केवल 94 आपातकालीन चिकित्सा दल उपलब्ध थे।

सिविल सर्जन, पानीपत ने उत्तर दिया (जनवरी 2022) कि अतिरिक्त 27 ड्राइवरों (उपर्युक्त तालिका में शामिल) को निदेशक, राज्य परिवहन हरियाणा से जनवरी 2022 में एंबुलेंसों पर तैनात किया गया था। आपातकालीन चिकित्सा दल के मामले में, इसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा से स्वीकृति और दिशानिर्देश प्राप्त होने के बाद भर्ती किया जाएगा। उत्तर मान्य नहीं था क्योंकि पानीपत जिले में अभी भी 27 ड्राईवरों की कमी थी। अन्य दो जिलों से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।

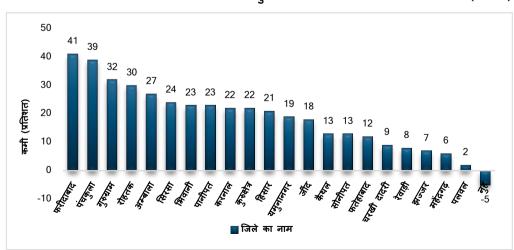
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने उत्तर दिया (जनवरी 2023) कि विभाग के अनुसार 244 ड्राइवरों और 156 आपातकालीन चिकित्सा दलों की आवश्यकता थी। 244 ड्राइवरों में से 168 ड्राइवर उपलब्ध थे; जबिक 156 आपातकालीन चिकित्सा दलों में से 95 आपातकालीन चिकित्सा दल इन जिलों में उपलब्ध थे। हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड (एचकेआरएनएल) के पोर्टल पर 614 ड्राइवरों के लिए मांग पहले ही दी जा चुकी थी और अब तक सभी जिलों में 240 ड्राइवरों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड द्वारा उपलब्ध करवा दिया गया था। इनमें से पानीपत में नौ, नूंह में 12 और हिसार में 17 ड्राइवरों को पहले ही उपलब्ध कराया जा चुका था। उत्तर मान्य नहीं था क्योंकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा निधारित ड्राइवरों की आवश्यकता मानकों के अनुसार नहीं थी। आगे, हरियाणा कौशल रोजगार निगम

लिमिटेड के माध्यम से मैनपावर की भर्ती के लिए राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद भी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में अभी भी ड्राइवरों की कमी थी।

2.9 मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) की उपलब्धता

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के प्रमुख घटकों में से एक, देश के प्रत्येक गांव को एक प्रशिक्षित महिला सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) प्रदान करना है। समाज में उसकी भूमिका और उत्तरदायित्वों में समुदाय को स्वास्थ्य के निर्धारकों जैसे पोषण, बुनियादी स्वच्छता एवं स्वच्छ प्रथाओं, स्वस्थ रहने और काम करने की स्थिति, मौजूदा स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाओं के समय पर उपयोग की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करना और जानकारी प्रदान करना हैं। वह महिलाओं को प्रसव की तैयारी, सुरक्षित प्रसव के महत्व, स्तनपान एवं प्रक आहार, टीकाकरण, गर्भनिरोधक, प्रजनन पथ संक्रमण/यौन संचारित संक्रमण सहित सामान्य संक्रमणों की रोकथाम तथा छोटे बच्चे की देखभाल पर भी सलाह देती है। भूमिका और उत्तरदायित्वों के अनुसार, आशा वर्कर प्रसवपूर्व जांच और प्रसवोत्तर जांच में सुविधा प्रदान करती हैं, निकटतम जन स्वास्थ्य केंद्र/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र/फर्स्ट रेफरल यूनिट में उपचार/भर्ती की आवश्यकता वाली गर्भवती महिलाओं और बच्चों को एस्कोर्ट करना/का साथ देती है। आगे, वे प्रत्येक बस्ती को उपलब्ध कराए जा रहे आवश्यक प्रावधानों जैसे ओरल रिहाइड्रेशन थेरेपी, आयरन फोलिक एसिड टैबलेट, क्लोरोक्वीन, डिस्पोजेबल डिलीवरी किट, ओरल पिल्स एवं कंडोम आदि के लिए डिपो होल्डर के रूप में भी कार्य करती हैं।

केंद्र सरकार द्वारा 2005 में आशा पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, प्रति एक हजार जनसंख्या पर एक आशा कार्यकर्ता अपेक्षित है। वर्ष 2011 में हरियाणा की जनसंख्या (2,53,51,462) के अनुसार, 25,351 आशा कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है, जिसके सापेक्ष में अक्तूबर 2022 तक हरियाणा में 20,405 (20 प्रतिशत की कमी) आशा कार्यकर्ता उपलब्ध हैं। आशा कार्यकर्ताओं की उपलब्धता में जिलावार कमी (प्रतिशत में) निम्नानुसार है:



चार्ट 2.8: भारतीय जन स्वास्थ्य मानक मानदंडों के अनुसार आशा की उपलब्धता में जिला-वार कमी (प्रतिशत)

स्रोतः विभाग द्वारा प्रस्तुत सूचना।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि सभी जिलों में आशा कार्यकर्ताओं की उपलब्धता असमान है।

आशा की कमी जिला पलवल में दो प्रतिशत से लेकर फरीदाबाद जिले में 41 प्रतिशत के बीच थी। आगे, 2016-21 की अविध के दौरान विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में ओरल गर्भनिरोधक गोलियों (13,770) और कंडोम (38,82,720) की प्रयोग अविध समाप्त हो गई थी। राष्ट्रीय पिरवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2020-21) के अनुसार, हरियाणा में कम से कम चार प्रसवपूर्व देखभाल वाली माताओं की संख्या 60.4 प्रतिशत थी। गर्भवती होने पर 180 दिनों या उससे अधिक समय तक आयरन फोलिक एसिड का सेवन करने वाली माताएं 32 प्रतिशत थी। आशा स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण की सुविधा प्रदान करती हैं और जागरूकता पैदा करती हैं तथा स्वास्थ्य सेवाओं और परिवार नियोजन के तरीकों को लोकप्रिय बनाती हैं। इसलिए, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि यदि आवश्यक संख्या में आशा कार्यकर्ता उपलब्ध होतीं, तो ओरल गर्भनिरोधक गोलियों और कंडोम की प्रयोग अविध की संख्या को यदि पूरी तरह से टाला नहीं जा सकता था तो कम किया जा सकता था। विशेष रूप से बच्चे और मातृ स्वास्थ्य से संबंधित स्वास्थ्य संकेतकों में भी सुधार किया जा सकता था।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा से गांव के नाम के साथ प्रत्येक उप-केंद्र में आशा की संख्या की उपलब्धता के बारे में जानकारी मांगी गई थी। लेकिन विभाग ने स्चित किया (अक्तूबर 2022) कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मुख्यालय में उप-केंद्र और जनसंख्या के अनुसार आशा की संख्या की आवश्यकता नहीं है, इसलिए यह डेटा उपलब्ध नहीं था। उत्तर मान्य नहीं था क्योंकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा द्वारा 'आशा पोर्टल और मोबाइल ऐप' विकसित किया गया है, जिसे आशा को आपूर्ति किए गए एंड्रॉइड मोबाइल फोन के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। मोबाइल ऐप का मुख्य प्रयोजन ऐसी गतिविधियों जैसे ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाना, ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठकें, ग्राम स्वास्थ्य रिजस्टर/घरों की लाइन-सूची का रखरखाव आदि, जो वर्तमान में स्वास्थ्य प्रणाली में मौजूदा डेटाबेस के माध्यम से प्रमाणित नहीं हैं और इन सभी को इस तरह से जोड़ने की भी आवश्यकता है कि इनमें से किसी भी गतिविधि की पुष्टि/सत्यापन के बिना प्रोत्साहन भुगतान जारी करने के लिए प्रोत्साहन दावों को अनुमोदित नहीं किया जाना चाहिए। इसलिए, आशा कार्यकर्ताओं और ग्रामवार जनसंख्या की संख्या की वास्तविक उपलब्धता के अभाव में एंड्रॉइड फोन के साथ-साथ ऐप एप्लिकेशन का उद्देश्य प्रभावी नहीं हो सकता है।

एग्जिट कांफ्रेंस (जनवरी 2023) के दौरान, अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, हरियाणा सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को आशा की बेहतर निगरानी और तैनाती के लिए सभी स्तरों पर मानव संसाधनों की तैनाती से संबंधित डेटा बनाए रखने का निर्देश दिया।

2.10 नमूना-जांच किए गए जिलों में स्टाफ की कमी एवं स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण पर इसका प्रभाव

नमूना जांच किये गये जिलों में चिकित्सा अधिकारी/नर्सिंग सिस्टर/अधिकारी/पैरामेडिकल स्टाफ के स्वीकृत/भरे पदों की संख्या *तालिका 2.29* में दी गई है।

तालिका 2.29: नमूना जांच किये गए जिलों में मैनपावर की स्थिति (अक्तूबर 2022 तक)

जिले	संस्थान का नाम	डाक्टर			नर्स			पैरामेडिकल स्टाफ		
का		स्वीकृत	भरे	अधिक (+)/ कमी	स्वीकृत	भरे	अधिक (+)/ कमी	स्वीकृत	भरे	अधिक (+)/ कमी
नाम			गए	(प्रतिशत में)		गए	(प्रतिशत में)	,	गए	(प्रतिशत में)
न्ंह	डी.एच. मंडी खेड़ा	51	41	20	44	35	20	45	16	64
	सी.एच.सी.	18	19	(+)6	20	15	25	22	15	32
	पी.एच.सी.	15	10	33	10	5	50	20	6	70
पानीपत	डी.एच. पानीपत	68	39	43	102	85	17	62	33	47
	एस.डी.सी.एच. समालखा	14	11	21	20	16	20	18	18	0
	सी.एच.सी.	36	25	31	40	18	55	41	51	(+)24
	पी.एच.सी.	18	8	56	12	2	83	24	9	63
हिसार	डी.एच. हिसार	68	56	18	104	91	13	64	41	36
	एस.डी.सी.एच. आदमपुर	14	12	14	20	14	30	18	8	56
	एस.डी.सी.एच. नारनौंद	51	18	65	44	18	59	48	13	73
	सी.एच.सी. ¹⁷	41	22	46	50	41	18	52	46	12
	पी.एच.सी.	27	18	33	18	13	28	36	26	28

स्रोत: एचआरएमएस डेटा

कलर कोड: लाल अधिकांश रिक्तियों को दर्शाता है; पीला मध्यम रिक्तियों को दर्शाता है और हरा अधिक/न्यूनतम रिक्तियों को दर्शाता है।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि जिला नूंह की तुलना में जिला पानीपत एवं हिसार में चिकित्सा अधिकारियों की कमी अधिक देखी गई। आगे, जिला पानीपत और हिसार की तुलना में जिला नूंह में पैरामेडिकल स्टाफ के मामले में अधिक कमी देखी गई थी।

यह उल्लेख करना उचित है कि भारतीय जन स्वास्थ्य मानक 2012 के अनुसार, एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक चिकित्सा अधिकारी होना चाहिए। तथापि, यह देखा गया था कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मंगल खान और पुठी समैन, हिसार में कोई भी चिकित्सा अधिकारी नहीं था।

एग्जिट कांफ्रेंस (जनवरी 2023) के दौरान, अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने लेखापरीक्षा अभ्युक्तियों से सहमत होते हुए बताया कि मैनपावर के युक्तिकरण और विशेषज्ञ संवर्ग के सृजन का कार्य प्रक्रियाधीन है और जल्द ही पूरा हो जाएगा।

नमूना-जांच किए गए स्वास्थ्य संस्थानों में स्टाफ की कमी के कारण स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण में बाधा उत्पन्न हुई क्योंकि इस प्रतिवेदन में ऐसे कई मामलों पर प्रकाश डाला गया है जिनका विवरण तालिका 2.30 में दिया गया है:

तालिका 2.30: स्टाफ की कमी के कारण बाधित सेवाओं का विवरण

क्र. सं.	प्रभावित सेवा	अनुच्छेद संदर्भ
1.	विशेषज्ञों की अनुपलब्धता के कारण नमूना-जांच किए गए स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष ओपीडी सेवाओं	3.1.1, 3.1.2 एवं
	की अनुपलब्धता	3.1.3
2.	चयनित स्वास्थ्य संस्थानों में प्रति डॉक्टर ओपीडी मामलों की संख्या असमान थी	3.1.5
3	सर्जनों की कमी के कारण नमूना-जांच किए गए स्वास्थ्य संस्थानों में बड़ी/छोटी सर्जरी की अनुपलब्धता	3.2.4
4.	कुछ नमूना-जांच किये गये स्वास्थ्य संस्थानों में ऑपरेशन थियेटर कार्यात्मक नहीं थे	3.2.6
5.	कुछ नमूना-जांच किये गये स्वास्थ्य संस्थानों में आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध नहीं थीं	3.3.1, 3.3.2 एवं
		3.3.3
6.	अपेक्षित स्टाफ की कमी के कारण कुछ नमूना-जांच किये गये स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसूति सेवाएं उपलब्ध	3.5.2 (iii)
	नहीं थीं।	

¹⁷ फील्ड स्टडी के दौरान, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र-सह-उप-मंडलीय सिविल अस्पताल, बरवाला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बरवाला माना गया था।

47

क्र. सं.	प्रभावित सेवा	अनुच्छेद संदर्भ
7.	स्वास्थ्य संस्थानों में आपूर्ति किए गए वेंटिलेटर कुशल मैनपावर की कमी के कारण उपयोग में नहीं लाए जा सके	4.4.2
8.	कुल अपग्रेड किये गये हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में से कुछ हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर कर्मचारियों की कमी के कारण चालू नहीं थे	5.6.2
9.	कुल आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में से कुछ चालू नहीं थे या कर्मचारियों की कमी के कारण आंशिक सेवाएं प्रदान कर रहे थे	5.7
10.	नमूना-जांच किए गए स्वास्थ्य संस्थानों में अवसंरचना का उचित उपयोग नहीं किया गया था	5.9

2.11 अपग्रेड किये गये आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में मैनपावर की उपलब्धता

मई 2020 में जारी आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों के परिचालन दिशानिर्देशों के अनुसार, एक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (एक योग्य आयुष फिजिशियन) के नेतृत्व में मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर, आशा, सहायक नर्स मिडवाइफ (ए.एन.एम.) से युक्त एक उपयुक्त प्रशिक्षित प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल टीम होनी चाहिए। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और विभिन्न अन्य चिहिनत सार्वजनिक स्थानों पर समुदाय को निरंतर और अनुकूलित योग प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक योग्य/प्रमाणित योग प्रशिक्षक को सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में अंशकालिक आधार पर तैनात किया जाना था।

राज्य में 346 अपग्रेड किये गये आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में आवश्यकता के विरुद्ध मैनपावर की उपलब्धता *तालिका 2.31* में दर्शाई गई है:

तालिका 2.31: अपग्रेड किये गये आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में आवश्यकता के विरुद्ध मैनपावर की उपलब्धता

नवंबर 2021 तक	योग प्रशिक्षक वाले	प्रत्येक हेल्थ एंड	हेल्थ एंड वेलनेस	प्रत्येक हेल्थ एंड	हेल्थ एंड वेलनेस
अपग्रेड किये गये	हेल्थ एंड वेलनेस	वेलनेस सेंटर में	सेंटरों में	वेलनेस सेंटर में	सेंटरों में
हेल्थ एंड वेलनेस	सेंटरों की संख्या	5 की दर पर तैनात	वास्तविक रूप से	2 की दर से तैनात	वास्तविक रूप से
सेंटरों की संख्या		की जाने वाली	तैनात आशा की	की जाने वाली	तैनात ए.एन.एम
		आशाओं की संख्या	संख्या	ए.एन.एम की संख्या	की संख्या
346	0	1,730	1,363	692	484

स्रोतः आयुष, हरियाणा द्वारा दी गई जानकारी।

विभाग द्वारा यह सूचित किया गया (नवंबर 2021) कि 346 अपग्रेड किये गये आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में से किसी भी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में योग प्रशिक्षक नहीं है। उपर्युक्त तालिका अपग्रेड किये गये आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में आशा और एएनएम की कमी को भी दर्शाती है, 1,730 आशा और 692 ए.एन.एम. के स्वीकृत पदों के विरुद्ध क्रमशः केवल 1,363 पद (79 प्रतिशत) और 484 पद (70 प्रतिशत) भरे गए थे। आगे, इन अपग्रेड किये गये आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में से हिसार और जींद जिलों के 51 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में कोई आशा/ए.एन.एम. की तैनाती नहीं की गई थी।

आगे यह भी सूचित किया गया (नवंबर 2021) कि योग प्रशिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाने के कारण देरी हो रही है। आगे, आशा और एएनएम की तैनाती स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जानी थी क्योंकि ये प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल कर्मी जिला स्तर पर सिविल सर्जन के नियंत्रण में हैं।

आगे, नमूना-जांच किए गए जिलों में 55 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों/आयुष चिकित्सा अधिकारियों की आवश्यकता के विरुद्ध केवल 50 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी/आयुष चिकित्सा अधिकारी तैनात किए गए थे। नमूना-जांच किए गए संबंधित जिलों के जिला आयुर्वेदिक अधिकारियों द्वारा आगे सूचित किया गया था कि स्टॉप-गैप व्यवस्था के रूप में, जिला पानीपत में चार सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों/सहायक चिकित्सा अधिकारियों को पास के चार आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था, जहां सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों/सहायक चिकित्सा अधिकारियों के पद रिक्त थे। इसी तरह नूंह जिले में चार सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों/सहायक चिकित्सा अधिकारियों के पद रिक्त थे। इसी तरह नूंह जिले में चार सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों/सहायक चिकित्सा अधिकारियों को पास के चार सामुदायिक केंद्रों का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया था। मौजूदा व्यवस्था में, रोगी की स्वास्थ्य देखभाल पर प्रतिकूल प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अतिरिक्त कार्यभार के कारण सभी कार्य दिवसों में नियमित रूप से बाह्य रोगी विभाग में उपस्थित नहीं हो रहे थे।

लेखापरीक्षा द्वारा इंगित किए जाने पर विभाग ने बताया (जनवरी 2023) कि नियमित आयुष चिकित्सकों की नियुक्ति हेतु फाइल प्रक्रियाधीन है। अब हरियाणा सरकार ने योग व व्यायामशालाओं में पूर्णकालिक योग सहायक के पदों पर नियुक्ति की स्वीकृति दे दी है। आगे बताया गया कि एएनएम एवं आशा स्वास्थ्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में थी तथा एएनएम एवं आशा की प्रतिनियुक्ति हेतु संबंधित सिविल सर्जनों को निर्देश जारी कर दिए गए थे।

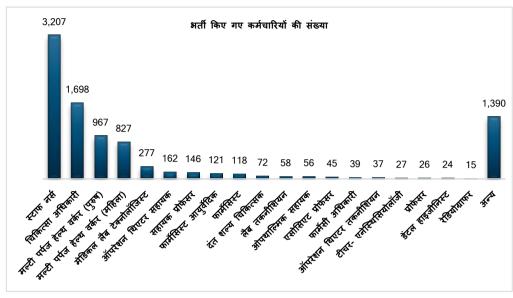
2.12 मैनपावर की भर्ती

मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा के विश्लेषण से पता चला कि स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित निदेशालयों के अंतर्गत कुल 24,219 कर्मचारियों में से 9,312 कर्मचारियों (38.4 प्रतिशत) की भर्ती अप्रैल 2016 से दिसंबर 2022 की अविध के दौरान की गई। वर्षवार भर्ती का विवरण तालिका 2.32 में दर्शाया गया है।

तालिका 2.32: 2016-17 से 2022-23 की अवधि के दौरान भर्ती की गई मैनपावर

वर्ष	डॉक्टर	नर्स	पैरामेडिक्स	अन्य	कुल
2016-17	70	56	8	4	138
2017-18	353	1,057	213	322	1,945
2018-19	132	98	1,012	288	1,530
2019-20	131	2	475	204	812
2020-21	703	416	16	123	1258
2021-22	47	188	117	21	373
2022-23 (दिसंबर 2022 तक)	682	1,390	967	217	3,256
कुल	2118	3,207	2,808	1179	9,312

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा



चार्ट 2.9: भर्ती किए गए कर्मचारियों की श्रेणीवार संख्या

स्रोत: मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली डेटा

उपर्युक्त तालिका और चार्ट से यह स्पष्ट है कि 2016-17 से 2022-23 (दिसंबर 2022 तक) की अविध के दौरान भर्ती किए गए 9,312 कर्मचारियों में से 3,256 कर्मचारियों की भर्ती केवल 2022-23 के दौरान की गई थी। यह 2016-17 से 2022-23 की अविध के दौरान भर्ती किए गए मैनपावर का लगभग 35 प्रतिशत है, जो दर्शाता है कि भर्ती की गित में वृद्धि हुई है। उपर्युक्त के अलावा, कुल भर्ती में से 34 प्रतिशत और 18 प्रतिशत क्रमशः नर्स और चिकित्सा अधिकारी थे।

2.13 निष्कर्ष

सरकार ने भारतीय जन स्वास्थ्य मानक को बेंचमार्क मानकर स्वास्थ्य सेक्टर में स्वीकृत पदों का सृजन नहीं किया है। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत विशेषज्ञ संवर्ग का सृजन नहीं किया गया है। आगे, स्वीकृत संख्या के विरुद्ध उपलब्ध मैनपावर में भी कमी है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। डॉक्टरों, स्टाफ नर्सों, रेडियोग्राफर/अल्ट्रासाउंड तकनीशियन, फार्मासिस्ट आदि जैसे कई प्रमुख पदों, जो लाभार्थियों को व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, में यह कमी काफी अधिक है। इसके अलावा, उपलब्ध मैनपावर को जिलों में समान रूप से वितरित नहीं किया गया है और यह प्रवृति सभी विभागों और अधिकांश महत्वपूर्ण पदों पर भी देखी गई है। हालांकि जिला अस्पतालों में विशेषज्ञों की समग्र उपलब्धता अच्छी है, लेकिन विभिन्न जिलों में व्यापक भिन्नता है जिसके कारण कई जिला अस्पतालों में कमी है। भारतीय जन स्वास्थ्य मानक मानदंडों की तुलना में उप-मंडलीय सिविल अस्पतालों में बहुत कम विशेषज्ञ हैं।

2.14 सिफारिशें

 सरकार को विशेषज्ञों सहित स्वास्थ्य विभागों की स्वीकृत पद संख्या को भारतीय जन स्वास्थ्य मानक मानदंडों के अनुरूप लाने पर विचार करना चाहिए।

- 2. सरकार को इस सेक्टर में रिक्तियों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने पर ध्यान देना चाहिए।
- 3. अल्पाविध में, मौजूदा कर्मचारियों को जिलों और स्वास्थ्य संस्थानों में युक्तिसंगत बनाया जाना चाहिए। युक्तिकरण करते समय, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि तैनाती इस तरह से की जाए कि प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थान में पूरक स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर अर्थात डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिक्स, तकनीशियन और अन्य सहायक कर्मचारी तैनात किए जाएं। इस तरह के युक्तिकरण के दौरान अवसंरचना और अन्य महत्वपूर्ण घटकों की उपलब्धता पर विचार किया जाना चाहिए। सरकार को जिलों में डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात में भिन्नता को कम करने के लिए एक दीर्घकालिक कार्यनीति और नीति लानी चाहिए।
- 4. सरकार को चिकित्सा कर्मियों के मूल्यांकन, पदों की स्वीकृति, डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती और तैनाती के लिए राज्य नीति के माध्यम से योजना बनानी चाहिए।